विषय सूची
CONTENT

1.	एक अवलोकन Overview	1
2.	नीति और आयोजना Policy Strategies and Planning	3
3.	मानक निर्धारण Standards Formulation	5
4.	उत्पाद प्रमाणन और गुणता पद्धति प्रमाणन Product Certification and Quality Systems Certification	9
5.	प्रयोगशाला सेवाएँ Laboratory Services	13
6.	सूचना सेवाएँ Information Services	16
7.	पर्यावरण संरक्षण Environment Protection	19
8.	मानकों का कार्यान्वयन और बिक्री Implementation and Sale of Standards	20
9.	उपभोक्ता संरक्षण Consumer Protection	22
10.	अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ International Activities	23
11.	मानव संसाधन विकास Human Resource Development	25
12.	वित्त, लेखा-परीक्षा और लेखा Finance, Audit and Accounts	28

माननीय प्रधान मंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हाराव विजेता संगठनों को
प्रथम राजीव गांधी राष्ट्रीय गुणता पुरस्कार देने से पूर्व जनसमूह को सम्बोधित करते हुए
Hon'ble Prime Minister Shri P.V. Narasimha Rao, addressing the gathering before presenting first Rajiv Gandhi National Quality Awards to the winning organizations

एक अवलोकन

भारतीय मानक ब्यूरो (भामा ब्यूरो) के लिए वर्ष 1993-94 एक और सफल वर्ष रहा। इस वर्ष हमने हर दिशा में प्रगति की। इस वर्ष हमारी सफलता केवल मानकों के विकास और उत्पाद प्रमाणन की पारंपरिक आधारभूत गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रही, अपितु गुणता पद्धति प्रमाणन जैसे अपेक्षाकृत नये क्षेत्रों में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा वाले वातावरण में भी सफलता प्राप्त करते हुए भामा ब्यूरो ने प्रमुख सदस्य के रूप में इस क्षेत्र में दाखिल होकर उल्लेखनीय कार्य किया। उपर्युक्त के परिणामस्वरूप प्राप्त समृद्धि न केवल इस वर्ष के तुलन–पत्र में प्रतिबिम्बित हुई है, अपितु यह प्रचालन राजस्व में लगभग 38% की प्रमात्रात्मक वृद्धि से भी व्यक्त होती है, जिसके कारण इस वर्ष प्रचालन राजस्व रू० 33.34 करोड़ रहा।

इस वर्ष भारतीय उद्योग द्वारा गुणता में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिए जाने के लिए भामा ब्यूरो द्वारा किए जा रहे अनन्य प्रयासों की परिणति राजीव गांधी राष्ट्रीय गुणता पुरस्कार योजना आरंभ करने के रूप में हुई। ये पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिष्ठित संयुक्त राज्य अमेरिका के मेल्कम बेल्ड्रिज नेशनल अवार्ड, जापान के डेमिन्ग प्राइज और यूरोपियन क्वालिटी अवार्ड के अनुरूप हैं। पहले सेट के पुरस्कारों में विजेताओं में सर्वश्रेष्ठ रहने का पुरस्कार मै. किर्लोस्कर क्यूमिन्स लि०, पुणे और पृथक्–पृथक् संवर्गों में विजेता रहे चार अन्य सगठनों को पुरस्कार 20 अगस्त 1993 को आयोजित एक भव्य समारोह में माननीय प्रधान मंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव द्वारा दिया गया। 20 अगस्त स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की वर्षगांठ भी है।

इस वर्ष की अन्य विशेषताएँ इस प्रकार रहीं:

- भामा ब्यूरो की केन्द्रीय प्रयोगशाला के रसायन तथा यांत्रिक विभागों को एनएबीएल के प्रत्यायन की प्राप्ति, जो उत्कृष्टता संबंधी अन्तराष्ट्रीय मानकों की दिशा में अग्रसर होने में हमारे लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- जर्मनी की अग्रणी गुणता पद्धति प्रमाणन एजेंसी डोयिश गेजिल शाफ्ट त्सुर सरतिफित्साईरूंग फॉन क्वालिटाट्स मेनेजमेंट सिस्टेमन एमबीएच (डीक्यूएस), जो यूरोपीयन नेटवर्क फॉर क्वालिटी सिस्टम असेसमेन्ट एंड सर्टिफिकेशन, ई–क्यू–नेट की सदस्य भी है, के साथ समझौता ज्ञापन के रूप में हमारी गुणता पद्धति प्रमाणन योजना की अन्तर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता,
- पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के प्रमाणन की योजना के अन्तर्गत इको मुहर के लिए सबसे पहला लाइसेंस मै. टाइड वाटर डिटर्जेंट कम्पनी, बम्बई को IS 9458 के अनुसार ऊनी और अन्य नाजुक वस्त्रों की धुलाई हेतु संश्लिष्ट अपमार्जकों के लिए दिया गया, तथा
- राजभाषा पर राष्ट्रीय नीति को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा दिया गया और हिन्दी में इस वर्ष 9 और भारतीय मानक प्रकाशित किए गए, जिससे अब तक हिन्दी/द्विभाषी रूप में प्रकाशित भारतीय मानकों की संख्या 214 हो गई।

तथापि, हमारे दार्शनिक राष्ट्रपति, स्वर्गीय डॉ, एस. राधाकृष्णन ने कहा था "थोड़ी सी सफलता हमें इतना आत्ममुग्ध न कर दे कि भविष्य के प्रति अपने कर्तव्य से हम विमुख हो जाएँ"। वर्ष की उपर्युक्त प्रशंसनीय उपलब्धियों के होते हुए भी भामा ब्यूरो अभी हाल ही में भारत सरकार द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों से उत्पन्न चुनौतियों को पूरा करने के लिए अपने को तैयार करने की प्रक्रिया में ही है और इस दिशा में हमें बहुत कार्य करना है। चूँकि इन नीतियों के अनुसार अब बाजार की शक्तियों और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की प्रवृत्तियों को प्रमुखता दी जा रही है, अतः अब भामा ब्यूरो को भी अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बदले स्वरूप को देखते हुए स्वयं को इनके अनुकूल ढालना है, ताकि भविष्य के बाजार में भी हम उन्नति करने में समर्थ हों। हमें अपने ग्राहकों की माँगों को बेहतर रूप से जानने की समझ विकसित करनी है। वस्तुतः जहां एक ओर अब हमारी गतिविधियाँ और सेवाएं, बाजार की शक्तियों के अनुरूप होनी चाहिए, वहीं दूसरी ओर हमें अपने समाज और देश की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखना है।

यह प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है।

गुणता पर दृष्टि केन्द्रित करने के लिए मानक विकास गतिविधि का पुनर्विन्यास किया जा रहा है, चूँकि आवश्यकता और सामायिक महत्व ने दीर्घकाल से चली आ रही प्रबन्ध वर्ग पर आधारित संख्यात्मक आंकड़ों के लक्ष्य निर्धारित करने की नीति को हटा दिया है। अतः मानक विकास के लिए भविष्य की नीति की आधारशिला रखने हेतु किसी

OVERVIEW

The year 1993-94 was another year of all round progress for the Bureau of Indian Standards (BIS). Its success was not limited merely to its traditional home ground of Standards Development and Product Certification but spread to newer areas like Quality Systems Certification where, operating in a highly competitive environment, BIS made significant inroads to emerge as a major player. The prosperity is reflected in the balance sheet as well with the operating revenue registering a quantum jump of nearly 38% to touch Rs. 333.4 million for the year.

The year saw the culmination of a unique BIS endeavour to promote excellence in quality in the Indian industry by instituting the Rajiv Gandhi National Quality Awards designed on the lines of internationally respected malcom Baldridge National Quality Award in USA, Deming Prize in Japan and European Quality Award. The first set of Awards were presented to M/s Kirloskar Cummins Ltd., Pune as best amongst winners and four other organizations, winners in individual categories, by the Hon'ble Prime Minister Shri P.V. Narasimha Rao in a glittering ceremony held on 20 August 1993 to coincide with the birth anniversary of late Shri Rajiv Gandhi.

The other highlights of the year included :

- the grant of NABL acreditation to Chemical and Mechanical Divisions of BIS Central Laboratory, a major milestone in our pursuit of international standards of excellence;
- international recognition to our Quality Systems Certification Scheme in the form of a Memorandum of Understanding with Deutsche Gesellschaft zur Zertifizierung von Qualitatsmanagement systemen mbH (DQS), a leading German Quality Systems Certification agency, and a member of the European Network for Quality System Assessment and Certification, E-Q-Net;
- the grant of first ever ECO mark licence under the scheme of certification of environment friendly products to M/s Tide Water Detergent Company, Bombay for synthetic detergents for washing woollen and other delicate fabrics as per IS 9458; and
- promotion of use of Hindi in furtherance of the National Policy on Official Language with the publication of 9 more Indian Standards in Hindi raising the number of Hindi/bilingual standards to 214.

However, to quote our late philosopher President Dr. S. Radhakrishnan 'the little that has been done should not blind us to the vast that remains to be done'. The laudable accomplishments of the year notwithstanding, BIS, yet in the process of gearing itself to meet the challenges that the national programme of economic reforms initiated by the Union Government has posed, has a gigantic task in front of it. With the primacy accorded to the market forces and accent on international competitiveness, BIS has to rethink its policies and strategies and tailor them to the changing contours of national priorities to be able to flourish in tomorrow's market place. It has to develop a better understanding of the demands of its customers; indeed, its activities and services have to be market-driven while responding to the community and the state at the same time.

The process has begun.

The Standards Development activity is being reoriented to focus on quality, need and timeliness discarding the long-held policy of management-driven numerical targets. A rigorous process of scrutiny of proposals for establishment of the need for a standard, prioritization

मानक के निर्धारण की आवश्कता सिद्ध करने, युक्ति संगत समय सीमा में इसे निर्धारित करने को प्राथमिकता देने तथा आवधिक रूप से इसकी कड़ी पुनरीक्षा के प्रस्तावों की संवीक्षा की कठिन प्रक्रिया आरंभ की जा चुकी है। ग्राहकों को दी जाने वाली सेवा को सुधारने की दृष्टि से अपने केन्द्रीय वितरण केन्द्र तथा बिक्री कन्द्रों पर इन्वेटरी कम करने के कार्यक्रम के अलावा मानकों के इलैक्ट्रॉनिक पद्धति से भंडारण और उनकी पुनः प्राप्ति की परियोजना हमने विश्वबैंक सहायता कार्यक्रम की मदद से आरंभ कर दी है।

अपनी उत्पाद प्रमाणन योजना के अन्तर्गत उद्योग को समय पर और दक्ष सेवा देने के लिए कई उपाय किए गए हैं अथवा किए जा रहे हैं। ये उपाय हैं : लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदनों के निपटान हेतु 4 माह की समय–सीमा निर्धारित करना, लाइसेंस के नवीकरण की शक्ति विकेन्द्रित करके शाखा कार्यालयों के प्रमुखों को देना, लाइसेंस की वैधता की अवधि बढ़ाकर एक बार के लिए दो वर्ष करना, अपने निरीक्षणों की गुणता में सुधार लाने के लिए दो सदस्यीय निरीक्षण दल भेजना, निर्माता की इकाई के लिए निरीक्षणों की संख्या उसकी कार्यकारिता के आधार पर रखना, ताकि अपनी कार्यकारिता बढ़ाने में उसे प्रोत्साहन मिल सके।

चूँकि मानक मुहर, भामा ब्यूरो की बाजार में उपस्थिति का सर्वाधिक प्रत्यक्ष प्रमाण है, इसलिए हम यह प्रयास कर रहे हैं कि आम उपभोक्ताओं में इसकी लोकप्रियता बनी रहे। इसके लिए योजना के अन्तर्गत पर्यवेक्षण को सुदृढ़ करने और मानक मुहर के दुरूपयोग को रोकने की आवश्यकता है। भामा ब्यूरो की प्रवर्तन संबंधी गतिविधि को इस ओर मोड़ना है और इस दिशा में उपभोक्ता गतिविधियों में सक्रिय जाने–माने श्री एच.डी. शौरी की अध्यक्षता में प्रवर्तन पर स्थायी समिति का गठन करने का बड़ा कदम उठाया गया है। अन्य योजनाबद्ध उपाय हैं, मुहर के दुरूपयोग को रोकने में ब्यूरो के हाथ सुदृढ़ करने के लिए अधिनियम में उपयुक्त संशोधन करना, अधिनियम में दिए गए प्रावधान के अनुसार तलाशी लेने और जब्त करने की शक्तियों का उपयोग करने के लिए विनियम बनाना, मुहर के दुरूपयोग के मामलों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए सभी अधिकारियों को तैयार करने के लिए प्रवर्तन संबंधी मैन्युल बनाना, मुहर के दुरूपयोग के मामलों को नियंत्रित करने के लिए बाजार में आवधिक प्रवर्तन चलाना और उपभोक्ता शिक्षण कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देना।

उच्च प्राथमिकता वाला दूसरा क्षेत्र है इंडो ईईसी सहयोग कार्यक्रम और विश्व बैंक के अन्तर्गत भा मा ब्यूरो की प्रयोगशाला के उन्नयन के लिए उनके आधुनिकीकरण का कार्यक्रम। चूँकि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोत्साहन के लिए परीक्षण रिपोर्टों को माध्यम के रूप में उपयोग में लाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है अतः यह आवश्यक है कि हमारी प्रयोगशालाएँ अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। इसके अलावा उपस्कर प्राप्त करना, कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, भामा ब्यूरो की अन्य प्रयोगशालाओं के लिए एनएबी एल से प्रत्यायन प्राप्त करना भी कार्यसूची में शामिल है।

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना में हाल में मिली नई सफलता को बनाये रखने और इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए भामा ब्यूरो ने अपनी गुणता पद्धति प्रमाणन योजना के औपचारिक प्रत्यायन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय रूप से जानी पहचानी डच काउन्सिल फॉर एक्रिडिटेशन नीदरलैंड की राड वूर डि सर्टिफिकेटी (आरवीसी) को आवेदन भेजा हुआ है, जो सफल हुआ है और हमारी गुणता प्रमाणन योजना को औपचारिक प्रत्यायन प्राप्त हो गया है । यह, गुणता पद्धति प्रमाणन के क्षेत्र में कठोरतम अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में समर्थ होने की हमारी विश्वसनीयता का भी प्रमाण है और इस क्षेत्र में बाजार में अग्रणी स्थान प्राप्त करने के हमारे संकल्प का भी सूचक है।

एक ओर जहाँ हम अपनी गतिविधियों को बढ़ा रहे हैं, वहीं इस दिशा में भी प्रयासरत हैं कि भामा ब्यूरो अनुकूल और संतुलित संगठन बने और अन्य व्यवसायी संगठनों की तरह हमारे अन्दर भी अपने ग्राहकों के प्रति अधिक उत्तरदायी होने की भावना विकसित हो। इन्स्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, नई दिल्ली की सहायता से वर्क–स्टडी कराने का भी प्रस्ताव है। इस संगठन से रिपोर्ट हमें इस वर्ष मिल जाएगी और वे हमें यह भी बताऐंगे कि जनशक्ति संबंधी अपने संसाधनों का हम किस प्रकार अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। कार्य के आउटपुट को अधिकतम करने के लिए कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन पर लगातार बल दिए जाने के फलस्वरूप निश्चय ही भामा ब्यूरो वस्तुतः व्यावसायिक रूप से नियंत्रित और ग्राहकों के प्रति अधिक उत्तरदायी संगठन के रूप में उभरेगा।

(नरेन्द्र सिंह चौधरी)
महानिदेशक

of its formulation within a resonable time frame and critical review periodically are going to be the cornerstones of further policy on standards development. Besides, we are embarking on a project with World Bank assistance for electronic storage and retrieval of standards as well as a programme of inventory reduction at our central distribution point and sales outlets with a view to improve customer service.

To provide timely and efficient service to the industry under our Product Certification Scheme, several measures have been undertaken or are on the anvil. These include prescribing time frame of 4 months for disposing of applications for grant of licence, decentralization of power to renew licences to the Heads of Branch Offices, increasing the validity period of the licences to two years at a time, deputing two member inspection teams to improve quality of our inspections and linking the number of inspections of a manufacturers' unit to his performance to provide him an incentive to step up performance.

Since the Standard Mark is the most visible symbol of BIS presence in the market, it is our endeavour to sustain its popularity with the common consumer. This calls for strengthening supervision under the Scheme and curbing misuse of the Standard Mark. The enformcement activity of the BIS is to be galvanized and towards this end, a major initiative of setting up a Standing Committee on Enforcement under the Chairmanship of eminent consumer activist, Shri H.D. Shourie has already been taken. Among the measures planned are suitable amendment to the Act to strengthen BIS hands in dealing with misuse, framing of Regulations for exercising powers of search and seizure as provided for in the Act, preparation of an Enforcement Manual to equip all officers to deal effectively with misuse cases, periodic enforcement drives to check misuse in the market place and sustained consumer education programme.

Another high priority area is the modernization programme for upgradation of BIS laboratories under the Indo-EEC Cooperation Programme and the World Bank loan. Since test reports are being increasingly employed as tools for fostering international trade, it is imperative that our laboratories match the international standards. Besides acquisition of equipment and training of personnel, seeking NABL accreditation for other BIS laboratories is to be part of the agenda.

To build on the new-found success of our Quality Systems Certification Scheme and raise its competitiveness, BIS had put in an application with the Netherlands-based Road voor de Certificatie (RvC), the internationally known Dutch Council for Accreditation, which has been successful and formal accreditation has been granted to our Quality Systems Certification Scheme. It is as much a testimony to our confidence of being able to meet the toughest international standards as it is indicative of our determination to be the market leaders in the field of Quality Systems Certification.

While furthering our activities, it is our endeavour to make BIS a leaner, healthier and more business-like organization conscious of its obligations to its customers. It is proposed to insititute a work-study with the help of the Institute of Applied Manpower Research, New Delhi, whose report should become available during the year and give us valuable inputs towards optimum utilization of our manpower resources. With continuing emphasis on computerization and automation to maximise work output, BIS shall be able to truly present picture of a professionally-managed and customer-driven organization.

(N.S. Choudhary)
Director General

नीतिगत कार्यनीति और आयोजना

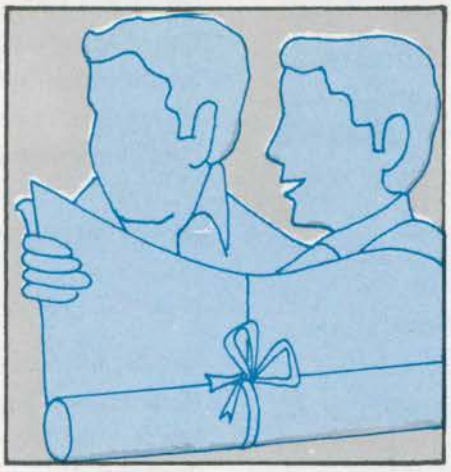

भा. मा. ब्यूरो की नीतियाँ उच्चतम निकाय, अर्थात् ब्यूरो, जो नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण केन्द्रीय मंत्री और ब्यूरो के अध्यक्ष श्री ए.के. एंटनी की अध्यक्षता में कार्य करता है, द्वारा निर्धारित की जाती है। वर्ष के दौरान 13 सितम्बर 1993 को आयोजित पहली बैठक में श्री ए.के. एंटनी ने मानकों के निर्धारण के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की गुणता बढ़ाने, उनका कार्यान्वयन बढ़ाने और उत्पाद प्रमाणन और गुणता पद्धति की वृद्धि पर बल दिया। मात्रात्मक उपलब्धि के स्थान पर गुणता के उन्नयन पर बल दिए जाने को ध्यान में रखते हुए और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा के क्षेत्र में उत्पन्न चुनौती और निर्यात संवर्धन को देखते हुए मंत्री महोदय ने 24 मार्च 1994 को आयोजित ब्यूरो की दूसरी बैठक में भा. मा. ब्यूरो की प्रयोगशालाओं की कार्यकारिता सुधारने और नमूनों के परीक्षण में लगने वाले समय को कम करने के साथ साथ मानक चिह्न के दुरूपयोग को रोकने के लिए सख्त उपाय अपनाने पर बल दिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि उपभोक्ता परामर्श समिति के साथ साथ प्रवर्तन के लिए स्थाई समिति भी गठित की जाये।

1993–94 के दौरान कार्यकारिणी समिति (ईसी) की दो बैठकों का भी आयोजन किया गया। कार्यकारिणी समिति ने भा. मा. ब्यूरो की रोजमर्रा की गतिविधियों को मॉनीटर किया और आगे के विकास और वृद्धि के लिए मार्गदर्शन दिया।

आयोजना गत परियोजना

भा. मा. ब्यूरो की आधारभूत भौतिक सुविधाएँ, जिनमें काफी पूँजी लगती है, के निर्माण के लिए धन सरकार द्वारा राष्ट्रीय योजना व्यय के भाग के रूप में दिया जाता है। भा. मा. ब्यूरो की आयोजनागत–परियोजना में आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992–97) के अनुसार यथानुमोदित रूपये 15.0 करोड़ के व्यय का प्रावधान रखा गया है। 1993–94 के दौरान, विभिन्न आयोजनागत–परियोजनाओं में रूपये 2.69 करोड़ खर्च किए गए। विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति/ स्थिति इस प्रकार है:

प्रयोगशाला उपस्कर, कंप्यूटर और अन्य सम्बद्ध उपस्कर

भा. मा. ब्यूरो की प्रमाणन मुहर योजना की निगरानी के लिए सम्बद्ध भारतीय मानक से अनुरूपता सुनिश्चित करने में नमूनों का परीक्षण महत्वपूर्ण माध्यम है। ब्यूरो की विभिन्न प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण करने और नमूनों की निरन्तर बढ़ती संख्या के परीक्षण के लिए पर्याप्त उपकरण उपलब्ध कराने तथा उनका आधुनिकीकरण करने और कुछ पुराने उपस्करों की जगह नए उपस्कर लगाने के लिए योजनागत अवधि में रूपये 2.5 करोड़ की राशि प्रदान की गयी है। इस परियोजना के अन्तर्गत 1993–94 के दौरान रूपये 0.88 करोड़ की राशि का उपयोग परिष्कृत प्रयोगशाला उपस्कर प्राप्त करने में दिया गया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति की सिफारिशों पर हैंडबुक तैयार करने के लिए दो परियोजनाएं आरम्भ की गईं। ये थीं "भवन और सिविल निर्माण के संहिता कार्यान्वयन के लिए विकास कार्यक्रम" और "औद्योगिक संरचनाओं के लिए टाइपिफीकेशन आयोजन"।

POLICY STRATEGIES AND PLANNING

The policies and strategies of BIS are decided by the highest body, namely, the Bureau which functions under the chairmanship of Shri A.K. Antony, Union Minister for Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution and the President of the Bureau. During the first meeting in the year, held on 13 September 1993, Shri A.K. Antony stressed the need for raising quality of goods and services by formulating standards, promoting their implementation and enhancing certification of products and quality systems. Keeping in view the shift in emphasis from quantitative achievements to quality upgradation and also in view of the challenges posed by international competitiveness and promotion of exports, during the second meeting held on 24 March 1994, the Minister stressed the need for improving the performance of BIS laboratories and reduction in the time for testing of samples, as well as for taking strict measures to curb misuse of the Standard Mark.

It was also decided to constitute a Consumer Advisory Committee, as well as a Standing Committee on Enforcement.

Two meetings of the Executive Committee (EC) were held during 1993-94. EC monitored the on-going activities in BIS and provided guidelines for further growth and development.

PLAN PROJECTS

The infrastructural facilities of BIS, which are capital intensive in nature, are built through finances provided by the Government as part of the National Plan outlay. The BIS Plan Projects, as approved under the VIII Five Year Plan (1992-97), envisage an outlay of Rs 150 million. During 1993-94, Rs 26.9 million were spent on the various Plan Projects. The progress/position of the various projects is given below:

Laboratory Equipment, Computer and Other Associated Equipment

An essential element for the surveillance of BIS Certification Marking Scheme is the testing of samples to ensure conformity to the relevant Indian Standards. To modernize the various laboratories of the Bureau and equip them adequately for testing the ever increasing samples and to modernize them and replace some old equipment, an outlay of Rs 25 million was provided during the Plan period. Under this project, sophisticated laboratory equipment were procured, utilizing an amount of Rs 8.80 million during 1993-94.

Science and Technology

On the recommendations of the National Committee for Science and Technology, two projects for the preparation of Handbooks, namely, Development Programme for Code Implementation for Building and Civil Construction and Typification Organization for Industrial Structures were initiated.

गैट मानक संहिता के अंतर्गत केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र

भा. मा. ब्यूरो में तटकर और व्यापार पर सामान्य करार (गैट मानक संहिता) के अन्तर्गत केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र के प्रभावशाली रूप से कार्य करने के लिए उत्पादन, भंडारण और पुनः प्राप्ति के लिए समर्थ सूचना पद्धति और सूचना का संप्रेषण करने के लिए दक्ष नेटवर्क आवश्यक है। वर्ष 1993–94 के लिए रूपये 0.08 करोड़ के व्यय का अनुमोदन किया गया और माइक्रोग्राफीय उपस्कर के लिए खपत वाली मदों की खरीद पर रूपये 76000 का व्यय हुआ।

स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था

आठवीं योजना में मुख्यालय, क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में फ्लैटों की खरीद के लिए रूपये 5.0 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भा.मा. ब्यूरो ने दिल्ली के पास कौशाम्बी में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से 24 फ्लैट स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए खरीदे और इस पर रूपये 1.7 करोड़ का व्यय किया।

विश्व बैंक परियोजना

भा. मा. ब्यूरो ने इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (आईसीआईसीआई) के साथ अक्टूबर 1990 में एक औपचारिक समझौता किया है। यह निगम भारत सरकार की ओर से विश्व बैंक निधि का प्रबन्ध करता है। यह समझौता प्रौद्योगिकी सेवा आवर्ती निधि के अन्तगर्त रूपये 9.54 करोड़ का ऋण प्राप्त करने के लिए किया गया, जो 4 वर्ष के विलम्बन काल के साथ 15 वर्षों में वापिस किया जायेगा।

वर्ष के दौरान प्रौद्योगिकी के बदलते हुए परिवेश और औद्योगिक प्रवृतियों तथा नये विकास को ध्यान में रखते हुए विश्व बैंक के अन्तर्गत चलने वाली परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। वर्ष 1993–94 के दौरान भा. मा. ब्यूरो ने मानकीकरण प्रबन्ध और मानक विकास, भा. मा. ब्यूरो की प्रयोगशाला नेटवर्क के उन्नयन, भा. मा. ब्यूरो के संवर्धनात्मक प्रयासों को बढ़ाने, निर्माणकर्ताओं को तकनीकी सहायता देने और मानक सूचना केन्द्रों पर रूपये 0.27 करोड़ की राशि व्यय की।

Central Enquiry Point Under GATT Standards Code

For effective functioning of the Central Enquiry Point under BIS General Agreement on Tariffs and Trade (GATT Standards Code), a strong information system for generation, storage and retrieval and an efficient network to communicate information is necessary. An outlay of Rs 0.8 million was approved for the year 1993-94 and expenditure of Rs 76 000 was incurred on purchase of consumables for micrographic equipment.

Staff Housing

An outlay of Rs 50 million is provided in the VIII Plan for acquiring flats at Headquarters, Regional and Branch Offices. BIS purchased 24 flats from the Ghaziabad Development Authority near Delhi in Kaushambi, Ghaziabad for the benefit of transferred employees and incurred an expenditure of Rs 17 million.

WORLD BANK PROJECTS

BIS entered into a formal agreement in October 1990 with Industrial and Investment Cooperation of India Limited (ICICI), who are managing the World Bank funds on behalf of Government of India, to receive a loan of Rs 95.4 million under the Technology Services Revolving Fund, repayable in 15 years with a moratorium of 4 years.

Projects under the World Bank were reviewed during the year from the perspective of the changing technological scenario and industrial trends and developments. BIS utilized Rs 2.7 million during 1993-94 under the projects on standardization management and standards development, upgrading BIS laboratory network, strengthening BIS promotional efforts, technical assistance to exporters and Standards Information Centres.

मानक निर्धारण

वर्ष के दौरान ब्यूरो ने 807 मानक निर्धारित किए, जिससे 31 मार्च 1994 तक लागू मानकों की संख्या 16542 हो गई।

महत्वपूर्ण मानक

कुछ महत्वपूर्ण विषय, जिन पर नये तथा पुनरीक्षित मानक बने, की सूची नीचे दी जा रही है :

रसायन

- रेलवे कोच पर बाहरी रंग–रोगन के लिए पॉलियूरिथेन के आधार वाले सरफेसर
- धुलाई के लिए साबुन पाउडर/टुकड़े
- ऊनी और रेशमी वस्त्रों की धुलाई के लिए संश्लिष्ट अपमार्जक
- पत्र–व्यवहार के लिए लिफाफे
- प्रत्यक्ष संचकित रबड़ के तल्ले से बने चमड़े के सुरक्षा जूते।

सिविल इंजीनियरी

- औद्योगिक भवनों की आग से सुरक्षा
- शहरी क्षेत्रों में अल्प आय के मकानों की अपेक्षाएँ

STANDARDS FORMULATION

During the year, the Bureau formulated 807 standards, bringing the total number of standards in force to 16 542 as on 31 March 1994.

IMPORTANT STANDARDS

Some of the important subjects on which new or revised Indian Standards were formulated are listed below:

Chemical

- Polyurethane base surfacer for exterior painting of railway coaches
- Laundry soap powders/flakes
- Synthetic detergents for washing woollen and silk fabrics
- Correspondence envelope
- Leather safety footwear having direct moulded rubber sole

Civil Engineering

- Fire safety of industrial buildings
- Low income housing requirements in urban areas

सारणी 1 1993-94 के दौरान मानक निर्धारण गतिविधि
TABLE 1 STANDARDS FORMULATION ACTIVITY DURING 1993-94

क्षेत्र Field	विषय समितियाँ Sectional Committees	आयोजित बैठकें Meetings Held	निर्धारित मानक Standards Formulated	जारी किए गए संशोधन Amendments Issued
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
रसायन Chemical	31	27	72	47
सिविल इंजीनियरी Civil Engineering	45	23	78	20
इलैक्ट्रानिकी एवं दूरसंचार Electronics and Telecommunications	34	17	72	2
विद्युत तकनीकी Electrotechnical	40	24	72	44
खाद्य एवं कृषि Food and Agriculture	47	23	72	131
भारी यांत्रिक इंजीनियरी Heavy Mechanical Engineering	26	12	55	24
हल्की यांत्रिक इंजीनियरी Light Mechanical Engineering	26	14	46	19
प्रबन्ध एवं पद्धति Management and Systems	8	7	10	2
चिकित्सा उपस्कर एवं अस्पताल अगोजना Medical Equipment and Hospital Planning	18	12	40	9
धातुकर्म इंजीनियरी Metallurgical Engineering	33	26	67	27
पेट्रोरसायन Petrochemicals	18	14	56	23
उत्पादन इंजीनियरी Production Engineering	19	10	43	11
नदी घाटी परियोजना River Valley Projects	22	15	31	1
वस्त्रादि Textiles	29	17	48	5
परिवहन Transport Engineering	23	19	45	16
योग Total	**419**	**260**	**807**	**381**

- सामूहिक मकानों की आयोजना के लिए मार्गदर्शिका
- मिट्टी के भवनों की भूकम्प से प्रतिरोधिता में सुधार की लिए मार्गदर्शिका
- भवनों की मरम्मत और भूकम्प के प्रति सुदृढ़ता।

इलैक्ट्रानिकी और दूरसंचार

- श्रवणशक्ति के संरक्षण के उददेश्य से कार्य के दौरान ध्वनि के एक्सपोजर का मूल्यांकन
- प्रकाशीय फाइबर केबल
- रंगीन दूरदर्शन अभिग्राहकों (रिसीवरों) के लिए स्थैतिक वैद्युत फोकसन और विद्युत चुंबकीय विक्षेप के लिए सामान्य विशिष्ट

विद्युत तकनीकी

- विद्युत टोस्टर, ग्रिल, रोस्टर और ऐसे ही विद्युत के घरेलू उपकरणों की सुरक्षा
- प्रकाश–वोल्टीय युक्तियों के लिए रेफरेंस सौर सेल
- 800 किवो एसी तक की अभिहित वोल्टता में प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने के लिए चालकीय वस्त्र
- 1000 वो एसी और 1500 वो डी सी में प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने के लिए हस्तचालित उपकरण

खाद्य एवं कृषि

- निचोड़ा हुआ शहद
- ताड़ (खजूर) का गुड़
- इमली का चूर्ण
- खाने वाला तम्बाकू
- सिंचाई प्रणाली में छिड़काव के लिए पोलीइथाइलिन के पाइप
- सिमेजिन – तकनीकी और आर्द्र पाउडर

भारी यांत्रिक इंजीनियरी

- गहरे कुएं के हथबरमे के संघटक
- कृषि कार्यों के लिए अनुशंसित पम्प प्रणाली
- घुलनशील गैसों के लिए वेल्ड किए और सीवन रहित इस्पात के गैस सिलिंडर
- वाष्पन एयर कूलर (डेर्जट कूलर)

हल्की यांत्रिक इंजीनियरी

- सामान्य कार्यों के लिए रबड़ के पट्टे और कपड़ा लगे ऐलिवेटर
- वेल्डकृत इस्पात किस्म के क्रैंक जुडे कर्षण जंजीर वाले पहिए
- आधार काबले
- घरेलू सिलाई की मशीन के संघटक

- Guide of cluster planning for housing
- Guidelines for improving earthquake resistance of earthen buildings
- Repair and seismic strengthening of buildings

Electronics and Telecommunication

- Assessment of noise exposure during work for hearing conservation purpose
- Optical fibre cables
- Generic specification for colour picture tube with electrostatic focussing and electromagnetic deflection for colour television receivers

Electrotechnical

- Safety of electric toasters, grills, roasters and similar household electrical appliances
- Reference solar cells for photovoltaic devices
- Conductive clothing for live working at a nominal voltage up to 800 kV ac
- Hand tools for live working up to 1000 V ac and 1500 V dc

Food and Agriculture

- Extracted honey
- Palm jaggery
- Tamarind powder
- Chewing tobacco
- Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems
- Simazine - technical and wettable powder

Heavy Mechanical Engineering

- Deepwell hand pump components
- Recommended pumping system for agricultural purposes
- Welded and seamless steel gas cylinders for dissolved gases
- Evaporative air cooler (Desert cooler)

Light Mechanical Engineering

- General purpose rubber conveyor and elevator textile belting
- Welded steel type cranked link drag chain wheels
- Foundation bolts
- Household sewing machine components

आकृति-1 लागू मानक
Fig-1 Standards in force
(31 मार्च को) (As on 31 March)

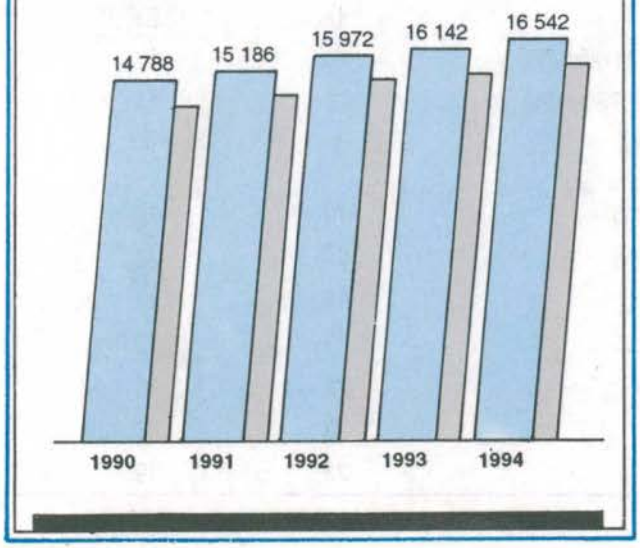

प्रबन्ध और पद्धति

- प्रलेखन और सूचना–पारिभाषिक शब्दावली
- बहिरंग रोगी विभाग और आपात्कालीन सेवाओं के लिए गुणता प्रबन्ध प्रक्रिया – 30 बिस्तर वाले अस्पताल के लिए
- गुणता प्रबन्ध और गुणता आश्वासन मानक – निर्भरणीयता कार्यक्रम प्रबन्ध की मार्गदर्शिका
- गुणता प्रबन्ध और गुणता पद्धति के घटक – संसाधित सामग्री के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत
- गुणता प्रबन्ध और गुणता पद्धति के घटक – गुणता सुधार की मार्गदर्शिका

चिकित्सा उपस्कर एवं अस्पताल योजना

- मृदु और दृढ़ कंटेक्ट लैंस
- हृदवादिका अन्तर्रोपण – कृत्रिम हृद कपाट
- ओवुलेशन थर्मोमीटर
- चिकित्सा युक्तियों का जैविक मूल्यांकन – रक्त के साथ अन्योन्यक्रिया के लिए परीक्षणों का चयन

धातुकर्म इंजीनियरी

- धातुकर्म सामग्री की पूर्ति की सामान्य अपेक्षाएँ
- दूध के पाउडर के लिए गोल और ऊपर से खुले डिब्बे
- इस्पात और कच्चे लोहे के घटकों के अनुक्रम और इस्पात के यांत्रिक गुणधर्म
- इस्पात बनाने के लिए स्पंज लोहा/डीआरआई परिष्कृत ब्रिकेट

पेट्रोरसायन

- कोक के लिए विशेष परीक्षण पद्धति
- संश्लिष्ट अपमार्जक से बने शैम्पू
- खाद्य पदार्थों, औषधियों और पीने के पानी के समार्क में आने पर उनके सुरक्षित उपयोग के लिए इथाइलिन मेथऐक्रिलिक अम्ल (ईएमएए) सहबहुलक और टेरपोलीमर
- द्रवित पेट्रोलियम गैस उपकरणों और संस्थापनों में उपयोग के लिए अवायवीय जुड़ाई गसाला।

उत्पादन इंजीनियरी

- कार्बाइड टिप वाले एक नोंक वाले उपकरण
- घूमने वाली मेज के साथ यूनिवर्सल पेषण मशीन के लिए परीक्षण चार्ट
- इलैक्ट्रोनिक्स के लिए प्लास और निपर
- मोड़ने के उपकरण और फेरिंग उपकरण
- तरल पॉवर चालित संघटकों की प्रणाली के निर्माण की मार्गदर्शिका

नदी घाटी परियोजना

- नहर और बांध में खुले निकास अथवा कन्डयूट के डिजाइन
- नहर और बाँध में बन्द तथा खुले निकास अथवा कन्डयूट
- नदी घाटी परियोजना का निर्माण, प्रचालन और अनुरक्षण–आग से सुरक्षा संबंधी पहलू

Management and Systems

- Documentation and information - Vocabulary
- Quality management procedures for OPD and emergency services - Upto 30-bedded hospitals
- Quality management and quality assurance standards - Guide to dependability programme management
- Quality management and quality system elements - Guidelines for processed materials
- Quality management and quality system elements - Guidelines for quality improvement

Medical Equipment and Hospital Planning

- Soft and rigid contact lenses
- Cardiovascular implant - Cardiac valve prostheses
- Ovulation thermometers
- Biological evaluation of medical devices - Selection of tests for interactions with blood

Metallurgical Engineering

- General requirements for the supply of metallurgical materials
- Round open top cans for milk powder
- Reporting sequence of elements in steel and pig iron and mechanical properties in steel
- Sponge iron/DRI fines/briquettes for steel making

Petrochemicals

- Methods of special test for coke
- Synthetic detergent based shampoos
- Ethylene methacrylic acid (EMAA) copolymers and terpolymers for their safe use in contact with foodstuffs, Pharmaceuticals and drinking water
- Anaerobic jointing compound for use in liquefied petroleum gas appliances and installations

Production Engineering

- Carbide tipped single point tools
- Test chart for universal milling machine with swivelling table
- Pliers and nippers for electronics
- Turning and facing tools
- Guidelines for making systems for fluid power components

River Valley Projects

- Design of diversion channel and open cut or conduit in the body of dam
- Closure of diversion channel and open cut or conduit in the body of dam
- Construction, operation and maintenance of river valley projects - Fire safety aspects

- भूमिगत जल के नमूने लेना – मार्गदर्शी सिद्धांत

Sampling of groundwater - Guidelines

वस्त्रादि

- फोटोग्राफीय मानकों का उपयोग करते हुए सूती धागों के दिखने के लिए कोटि निर्धारण
- कालीन इत्यादि – टफ्टेड कालीन
- वस्त्रादि – हाथ से बुने ऊनी धागे, वर्स्टेड

Textiles

- Grading for appearance of cotton yarn using photographic standards
- Textile floor covering - Tufted carpets
- Textiles - Hand-knitting wool yarn, worsted

परिवहन इंजीनियरी

- मोटरगाड़ी की ब्रेक लाइनिंग की श्रृंखला
- स्वचालित वाहनों के लिए वाइपर प्रणाली – वाइपर आर्म
- मोटरगाड़ियों के लिए प्रतिवर्ती परावर्तक
- मोटरगाडियों के इंजनों के क्रैंककेस उत्सर्जन का मापन
- देशी पोत – रबड़ के फेन्डर

Transport Engineering

- Series on automotive brake linings
- Wiper systems for automotive vehicles - Wiper arms
- Reflex reflectors for automotives
- Measurement of crankcase emission of automotive engines
- Inland vessels - Rubber fenders

मानकों की पुनरीक्षा और उन्हें अद्यतन बनाना।

मानकों का पुनरीक्षण, जब आवश्यकता हो, परन्तु 5 वर्ष में एक बार अवश्य किया जाता है। इस वर्ष लागू मानकों के 381 संशोधन प्रकाशित किए गए।

REVIEW AND UPDATING OF STANDARDS

Standards are reviewed as considered necessary, but at least once in five years. During the year, 381 amendments were issued to the existing standards.

जलपूर्ति प्रौद्योगिकी मिशन

ब्यूरो ने जलपूर्ति के लिए गुणता आश्वासन मिशन (क्वासम) परियोजना के अन्तर्गत ग्रामों में पेय जल पर प्रौद्योगिकी मिशन के मानकीकरण और गुणता आश्वासन के क्षेत्र में सक्रिय रूप से सहायता देना जारी रखा। मिशन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानक और मार्गदर्शी सिद्धांत निर्धारित करने के कार्य में तेजी लाने के अतिरिक्त भामा ब्यूरो ने मिशन के कार्यान्वयन में उपयोग में आने वाले उत्पादों की गुणता के आश्वासन में भी सहायता की।

"पाइप्स एंड पाइप फिटिंग" पर हैंडबुक प्रकाशित की गई। "ट्यूबवेल्स/बोरवेल" पर मार्गदर्शी सिद्धांतों और "पम्पस" पर हैंडबुक को अन्तिम रूप दिए जाने पर कार्य हो रहा है। जल पूर्ति मिशन से सम्बद्ध मानकों और प्रमाणन गतिविधि पर एक राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम 3–4 फरवरी 1994 को इटानगर अरूणाचल प्रदेश, में आयोजित किया गया।

TECHNOLOGY MISSION ON WATER SUPPLY

The Bureau continued to provide active standardization and Quality Assurance support to the Technology Mission on Drinking Water in villages under Quality Assurance for Water Supply Mission (QAWSM) Project. Besides accelerating the preparation of standards and guidelines in important areas relevant to the Mission, BIS also assisted in quality assurance for the products used in the implementation of the Mission.

The Handbook on Pipes and Pipe-fittings was printed. Guidelines on tubewells/borewells and Handbook on Pumps were processed for finalization. One State-Level Awareness Programme on Standards and Certification Activity of BIS relating to Water Mission was held on 3-4 February 1994 at Itanagar, Arunachal Pradesh.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी परियोजना

वर्ष के दौरान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय समिति की सिफारिशों के आधार पर दो परियोजनाएँ, अर्थात् "भवन एवं सिविल निर्माण संहिता कार्यान्वयन के लिए विकास कार्यक्रम" (एनसीएसटी परियोजना बी–7) और, "औद्योगिक संरचनाओं का टाइपीफिकेशन" (एनसीएसटी परियोजना बी–8) जारी रही।

SCIENCE AND TECHNOLOGY PROJECTS

Two projects, namely, Development Programme for Code Implementation for Building and Civil Construction (NCST Project B-7) and Typification of Industrial Structures (NCST Project B-8) were continued during the year on the recommendation of the National Committee for Science and Technology.

उत्पाद प्रमाणन एवं गुणता पद्धति प्रमाणन

उत्पाद प्रमाणन

भारतीय मानक ब्यूरो की प्रमाणन मुहर योजना में उल्लेखनीय प्रगति हुई। प्रमाणन शुल्क से प्राप्त आय में पिछले वर्ष की तुलना में 35.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इससे यह आय बढ़कर रू0 29.70 करोड़ हो गई। इस वर्ष जारी किए गए नए लाइसेंसों की संख्या 1394 है। अट्ठाइस उत्पाद प्रमाणन मुहर योजना के अन्तर्गत पहली बार शामिल किए गए। इनमें से कुछ उत्पादों में ठोस बायोमास चूल्हा, शिशु ऊष्मायित्र, टॉफी, सामान्य कार्यों के लिए पॉलीइथाइलिन के थैले, विकलांगों के लिए केलिपर्स, वानिकी उपकरण और चलने के लिए छड़ी शामिल हैं।

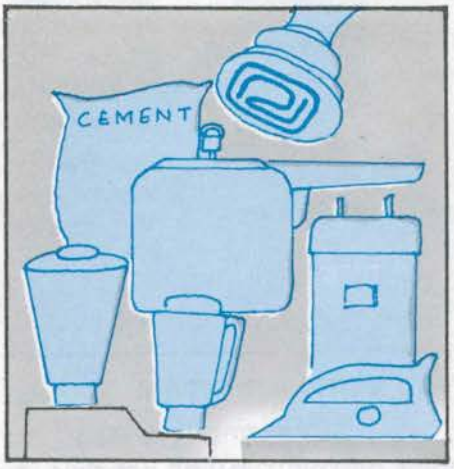

PRODUCT CERTIFICATION AND QUALITY SYSTEMS CERTIFICATION

PRODUCT CERTIFICATION

The BIS Certification Marks Scheme made considerable progress and the certification income increased by 35.7 percent as compared to the preceding year and touched the figure of Rs 297.01 million. 1 394 new licences were granted during the year and twenty eight products came under the BIS Certification Marking Scheme for the first time. Some of these products include solid bio-mass *chulha*, baby incubators, toffees, polyethylene bags for general use, orthopaedic calipers, forestry tools, and walking sticks.

प्रमाणन के अन्तर्गत भारतीय मानक

जिन भारतीय मानकों के आधार पर उत्पादों का प्रमाणन किया गया है उनकी संख्या 31 मार्च 1994 तक बढ़कर 1437 हो गई। इनमें से 295 मानक आम उपभोक्ता के दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसे एलपीजी सिलिंडर/ स्टोव, प्रेशर कुकर, जीएलएस लैम्प, शुष्क सेल बैटरियों, सीमेंट, स्विच, बिजली के घरेलू उपकरण, सूती बनियानों, वनस्पति, बिस्कुट, दूध उत्पाद, खाद्य रंग एवं संयोजी रोगाणुनाशी तरल, निरापद दियासलाई और मच्छरदानियों पर हैं। प्रमाणित की जाने वाली वस्तुओं का अनुमानित मूल्य लगभग रू. 8 500 करोड़ रू. के आसपास है। 31 मार्च 1994 को लागू लाइसेंसों की कुल संख्या 11 705 थी।

Indian Standards Under Certification

The growth of Indian Standards against which products have been certified has gradually risen to a level of 1 437 as on 31 March 1994. Of these, 295 standards relate to items of day-to-day use by common consumers, such as LPG cylinders/stoves, pressure cookers, GLS lamps, dry cell batteries, cement, switches, domestic electrical appliances, cotton vests, *vanaspati*, biscuits, milk products, food colours and additives, disinfectant fluid, safety matches and mosquito nets. The value of the goods certified annually is estimated to be of the order of Rs 85 000 million. The total number of operative licenses as on 31 March 1994 stood at 11 705.

चालू लाइसेंसों/भारतीय मानक ब्यूरो के लाइसेंसों के लिए आवेदकों का मूल्यांकन

वर्ष के दौरान आवेदकों की यूनिटों का, सम्बद्ध भारतीय मानकों के अनुरूप वस्तुओं

Assessment of Operative Licences/Applicants for BIS Licences

During the year, 2 291 preliminary inspections were carried out to

आकृति-2 भामा ब्यूरो उत्पाद प्रमाणन (आई एस आई मुहर) दिये गये लाइसेंस

Fig-2 BIS Product Certification (ISI Mark) Licences Granted

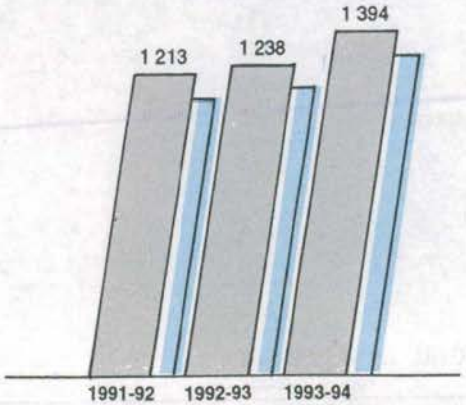

आकृति-3 उत्पाद प्रमाणन के अन्तर्गत प्रमाणित भारतीय मानक

Fig-3 Number of Indian Standards Under Product Certification

(31 मार्च को) (As on 31 March)

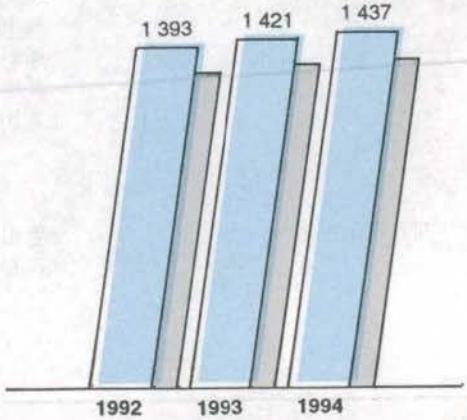

के उत्पादन करने हेतु उनके पास उपलब्ध भौतिक सुविधाओं और गुणता नियंत्रण पद्धति के मूल्यांकन के लिए 2 291 प्रारंभिक निरीक्षण किए गए। प्रमाणन मुहर योजना के प्रचालन को मॉनीटर करने के लिए 28 726 आवधिक निरीक्षण किए गए, और 12 999 विविध प्रकार के निरीक्षण भी किए गए जिसमें नई किस्मों को शामिल करने, मुहरांकन को पुनः आरंभ करने पर विचार करने, राशि निरीक्षण और अन्य विदेशी प्रमाणन निकायों जैसे केनेडियन स्टैण्डर्डाइजेशन एसोशियेशन (सीएसए) और अन्डरराइटर्स लेबोरेटरीज (यूएल) की ओर से किए गए निरीक्षण भी शामिल थे।

फैक्टरी के नियमित परीक्षण और लाइसेंसधारियों के परिसर से नमूने लेने के अतिरिक्त प्रमाणन मुहर योजना के पूर्ण अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए ISI मुहर लगी वस्तुओं के 7 663 बाजार नमूने भी खरीदे गए।

assess the applicant units for their infrastructure and quality control systems to produce goods conforming to relevant Indian Standards; 28 726 periodic inspections were carried out for monitoring the operation of the Certification Marks Scheme; and 12 999 miscellaneous types of inspections were also conducted which covered inspection for inclusion of new varieties, considering resumption of marking, lot inspections and those on behalf of other overseas certification bodies like Canadian Standardization Association (CSA) and Underwriters Laboratories (UL).

Apart from regular factory testing and drawal of samples from the premises of licencees, 7 663 market samples of ISI marked goods were also procured to ensure adequacy of the Certification Marks Scheme.

सारणी 2 प्रमाणन मुहर लाइसेंसों का क्षेत्रवार वितरण
(31 मार्च 1994 को)
TABLE 2 REGION-WISE DISTRIBUTION OF CERTIFICATION MARKS LICENCES
(AS ON 31 MARCH 1994)

क्रम सं. Sl No.	क्षेत्र Region	शाखा कार्यालय Branch Office	चालू लाइसेंस Licence in Operation
1	मध्य Central	क a) दिल्ली Delhi	1191
		ख b) भोपाल Bhopal	613
		ग c) गाजियाबाद Ghaziabad	446
		घ d) जयपुर Jaipur	488
		योग TOTAL	**2 738**
2	पूर्वी Eastern	क a) कलकत्ता Calcutta (गुवाहाटी सहित) (including Guwahati)	1 312
		ख b) भुवनेश्वर Bhubaneshwar	185
		ग c) पटना Patna	395
		योग TOTAL	**1 892**
3	उत्तरी Northern	क a) चंडीगढ़ Chandigarh	1 377
		ख b) फरीदाबाद Faridabad	322
		ग c) कानपुर Kanpur	254
		घ d) लखनऊ Lucknow	247
		योग TOTAL	**2 200**
4	दक्षिणी Southern	क a) मद्रास Madras	616
		ख b) बंगलौर Bangalore	453
		ग c) कोयम्बत्तूर Coimbatore	445
		घ d) हैदराबाद Hyderabad	574
		ण e) तिरवनंतपुरम Thiruvananthapuram	163
		योग TOTAL	**2 251**
5	पश्चिमी Western	क a) बम्बई Bombay	1 635
		ख b) अहमदाबाद Ahmadabad	989
		योग TOTAL	**2 624**
		कुल योग GRAND TOTAL	**11 705**

गतावधि/रद्द लाइसेंस

वर्ष के दौरान विभिन्न कारणों, जैसे लाइसेंसधारियों की असंतोषजनक कार्यकारिता, लाइसेंसधारी की फैक्टरी का बन्द होना और लाइसेंस में शामिल उत्पाद का निर्माण करने में लाइसेंसधारी की रूचि का न होना, से 1415 लाइसेंस गतावधि हो गए अथवा रद्द किए गए।

प्रचालन की समीक्षा

वर्ष के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों में लाइसेंसधारियों के साथ 25 समीक्षा बैठकें आयोजित की गई, जिनमें पुनर्वेल्लन मिलें/लघु इस्पात संयंत्र, पूर्व ढलवां आरसीसी पाइप, एलपीजी सिलिंडर, डीजल इंजन, मृदु इस्पात नालियाँ, सीमेंट, स्विच गियर और फ्यूज, डेयरी उत्पाद, वनस्पति, कीटनाशी और जीएलएस लैम्प भी शामिल हैं।

इन बैठकों से भा मा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के प्रचालन, मानकों के कार्यान्वयन में आने वाली तकनीकी कठिनाइयों, किसी उत्पाद के लिए उपयोगकर्ता द्वारा मानदण्डों को दी जाने वाली वरीयता के बारे में फीडबैक मिली। ये आंकड़े मानकों और प्रमाणन प्रक्रियाओं के पुनरीक्षण में भी सहायक हैं।

प्रवर्तन

फरवरी 1993 में एक पृथक् विभाग की स्थापना आईएसआई मुहर के दुरूपयोग पर प्रभावी रूप से नियंत्रण लगाने के लिए की गई, ताकि आम उपभोक्ता को घटिया और असुरक्षित वस्तुओं का उपयोग करने से बचाया जा सके। इसका दूसरा उद्देश्य विशिष्ट मदों, जैसे सीमेंट, मृदु इस्पात की नलियां, सामान्य सेवा के लिए टगस्टन फिलामेंट वाले विद्युत लैम्प, बिजली के घरेलू उपकरण, खाद्य रंग, संयोजी और वनस्पति के अनिवार्य प्रमाणन के लिए विभिन्न केन्द्रीय अधिनियमों के अंतर्गत जारी किए गए विविध गुणता नियंत्रण आदेशों के प्रवर्तन का समन्वय करना भी था।

देश भर में जांच–पड़ताल और प्रवर्तन की कार्यवाही जारी रखी गई और देश में फैली विभिन्न यूनिटों पर आठ छापे मारे गए। इसके अतिरिक्त, भा मा ब्यूरो अधिनियम और विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन करने से सम्बधित लगभग 100 शिकायतें प्राप्त हुई। मामलों की जांच–पड़ताल और जिन मामलों में नियमों का उल्लंघन साबित हो चुका है, उनमें मुकदमा दायर करने संबंधी उपयुक्त कार्यवाही की जा रही है।

मार्च 1994 के पहले सप्ताह में आयोजित उपभोक्ता शिक्षा अभियान में 25 शहरों के पचहतर बाजारों को शामिल किया गया। इन दौरों में उपभोक्ताओं के साथ–साथ व्यापारियो को भी ISI मुहर के समुचित उपयोग और मुहर के दुरूपयोग की स्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के अन्तर्गत दण्डात्मक प्रावधान के बारे में जानकारी दी गई।

गुणता पद्धति प्रमाणन

वर्ष के दौरान गुणता पद्धति प्रमाणन योजना में अत्यधिक प्रगति हुई और 31 मार्च 1994 तक 44 लाइसेंस प्रदान किए गए। इनमें 40 लाइसेंस IS 14002/ ISO 9002 के अनुसार और चार लाइसेंस IS 14001/ ISO 9001 के अनुसार विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र जैसे इलेक्ट्रॉनिक, विद्युत, मोटरगाड़ी के संघटक, सीमेंट, वैमानिकी, प्लास्टिक, यांत्रिक, धातुकर्म, वस्त्रादि, कृषि–रसायन, रसायन और विस्फोटक के लिए दिए गए।

विशिष्ट गुणता पद्धतियों के निरन्तर पालन को सुनिश्चित करने के लिए, लाइसेंस प्रदान करने के बाद वर्ष में कम से कम दो बार लाइसेंसधारक के यूनिट की निगरानी सम्परीक्षा की जाती है।

योजना की पारस्परिक मान्यता

वर्ष के दौरान ब्रिटिश स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, यूनाइटेड किंगडम के साथ समझौता करार पर अनुवर्ती कार्यवाही की गयी। डीक्यूएस जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन को अन्तिम

Expired/Cancelled Licences

During the year, 1 415 licences expired or were cancelled for various reasons, such as, unsatisfactory performance of the licensees, closure of the licensee's factory, and discontinuation of manufacture of a product covered by the licence.

Review of Operation

During the year, 25 review meetings with licensees were organized in different areas, some of which included re-rolling mills/mini steel plants, pre-cast RCC pipes, LPG cylinders, diesel engines, M.S. tubes, cement, switchgear and fuses, dairy products, *vanaspati*, pesticides and GLS lamps.

These meetings provided feedback on the operation of the BIS Certification Marks Scheme, technical difficulties encountered in the implementation of standards, users' preferences for quality parameters in a product, etc. This data is helpful in reviewing the standards and certification procedures.

ENFORCEMENT

A separate Department was set up in February 1993 to effectively check the misuse of ISI Mark in order to protect common consumers from being cheated through sub-standard and unsafe goods. Another objective was to coordinate enforcement of various Quality Control Orders issued under different Central Acts for mandatory certification of specified items, such as cement, mild steel tubes, tungsten filament general service electric lamps, domestic electrical appliances, food colours, additives and *vanaspati*.

The investigations and enforcement actions all over the country were continued and eight raids were conducted on different units spread in the country. In addition, around 100 complaints were received pertaining to violation of the BIS Act and various Quality Control Orders. Appropriate action including investigation and further prosecution of the established offenders are in progress.

Seventy five markets in 25 cities were covered during the consumer education drive held in the first week of March 1994. During these visits, consumers as well as traders were made aware of the proper use of the ISI Mark and the punitive provision of the *Bureau of Indian Standards Act* in case of misuse of the Mark.

QUALITY SYSTEMS CERTIFICATION

Quality Systems Certification Scheme made tremendous progress during the year and as on 31 March 1994, 44 licences were granted. Of these 40 were in accordance with IS 14 002/ISO 9 002 and four as per IS 14 001/ISO 9 001, covering various industrial sectors, such as electronics, electrical, automobile components, cement, aeronautics, plastics, mechanical/metallurgy, textiles, agro-chemicals, chemicals and explosives.

In order to ensure continued adherance to the specified Quality Systems, surveillance audit at the licensee's units is carried out at least twice a year, after grant of the licence

Mutual Recognition of Scheme

During the year the Memorandum of Understanding (MOU) with British Standards Institution, UK was followed-up. MOU with DQS

रूप दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस संबंध में अन्य विदेशी प्रचालन निकायों के साथ विचार–विमर्श/परामर्श भी आरंभ किया गया।

भा मा ब्यूरो गुणता पद्धति प्रमाणन योजना का प्रत्यायन

भा मा ब्यूरो ने पहले ही डच एक्रिडिटेशन कांउसिल, आरवीसी, नीदरलैंड के पास भामा ब्यूरो गुणता पद्धति प्रमाणन योजना के प्रत्यायन के लिए आवेदन भेज दिया है।

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना समिति (क्यूएससीएस) की बैठक

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना के प्रचालन से संबद्ध नीतिगत मामलों का निर्धारण करने, अपनी नीतियों के प्रचालन और कार्यान्वयन की समीक्षा करने और वित्तीय मामलों की समीक्षा करने के लिए उत्तरदायी भामा ब्यूरो गुणता पद्धति प्रमाणन योजना (क्यूएससीएस) समिति ने महानिदेशक, भामा ब्यूरो की अध्यक्षता में अपनी पहली बैठक का आयोजन दिनांक 7 फरवरी 1994 को किया।

पूर्व प्रमाणन सेवाएं

वर्ष के दौरान 55 परिचय कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें उद्योग, सेवा संगठन और औद्योगिक संघों तथा निर्यात गृहों के 1 000 से अधिक कार्मिक शामिल हुए।

14 संगठनों में गुणता पद्धति सर्वेक्षण और 15 संगठनों में गुंणता प्रबंध पद्धति के प्रायोगिक मूल्यांकन किए गए। ये संगठन IS 14000/ISO 9000 मानकों की श्रृंखला के अनुसार गुणता प्रबन्ध पद्धति का कार्यान्वयन करने की प्रक्रिया में हैं।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

प्राप्त अनुभवों को आपस में बांटने और अद्यतन विकासों की जानकारी सम्परीक्षकों को देने के लिए तथा गुणता सम्परीक्षा पद्धति में सामंजस्य लाने के लिए नई दिल्ली और बंगलौर में अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम आयोजित किए गए। फरवरी 1994 के पहले सप्ताह में आईएसओ/टीसी 176 गुणता प्रबन्ध और गुणता आश्वासन के अध्यक्ष श्री आर.एन. शौघनेसी के साथ एक कार्यशाला भी आयोजित की गयी जिसमें उन्होंने सम्परीक्षकों के एक समूह को सम्बोधित किया।

आकृति-4 गुणता पद्धति प्रमाणन के अन्तर्गत दिये गये लाइसेंस

Fig-4 Number of Licences Granted Under Quality Systems Certification

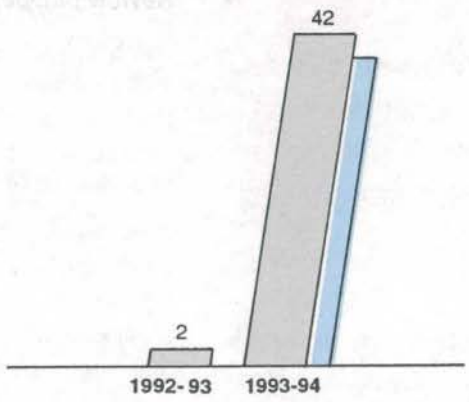

Germany is at an advanced stage of finalization. Besides, discussions/consultation with other overseas certification bodies were also initiated.

Accreditation of BIS Quality Systems Certification Scheme

BIS has already made an application to Dutch Accreditation Council RVC, Netherlands for accreditation of BIS Quality Systems Certification Scheme.

Quality Systems Certification Scheme Committee (QSCS) Meeting

BIS Quality Systems Certification Scheme (QSCS) Committee, which is responsible for formulation of policy matters relating to the operation of Quality Systems Certification Scheme, reviewing the operation and implementing its policies, and reviewing the financial affairs, held its first meeting under the chairmanship of Director General, BIS on 7 February 1994.

Pre-Certification Services

During the year over 55 Appreciation Programmes were conducted covering more than 1 000 personnel from the industry, service organizations, industry associations and export houses.

Quality Systems Survey at 14 organizations and Trial Assessment of Quality Management System at 15 organizations were conducted. These organizations are in the process of implementing Quality Management Systems in accordance with IS 14 000/ISO 9 000 series of standards.

Orientation Programme

In order to exchange the experience gained, and to keep the auditors abreast of latest developments and also to harmonize the auditing practices, orientation programmes were organized in New Delhi and at Bangalore. A Workshop with Mr R.N. Shaughnessy, Chairman, ISO/TC 176 Quality management and quality assurance was also organized in the first week of February 1994 in which he addressed a group of auditors.

प्रयोगशाला सेवाएं

भा. मा. ब्यूरो ने आठ प्रयोगशालाओं के अपने नेटवर्क के माध्यम से सम्बद्ध भारतीय मानकों के प्रति प्रमाणित उत्पादों की अनुरूपता के परीक्षण की गतिविधियों में अपनी समान गति बनाये रखी। वर्ष के दौरान विभिन्न उत्पादों के लिए 33 730 परीक्षा रिपोर्ट जारी की गई।

भा. मा. ब्यूरो प्रयोगशालाएं तकनीकी समितियों द्वारा मांग किये जाने पर अनुसंधान एवं विकास का कार्य भी करती हैं। विद्युत के कुछ घरेलू उपकरणों की गुणता के मूल्यांकन के लिए बिजली की इस्तरी, प्लग और साकेट तथा पानी के डुबाऊ हीटरों के लोकप्रिय ब्रांडों का भी परीक्षण किया गया।

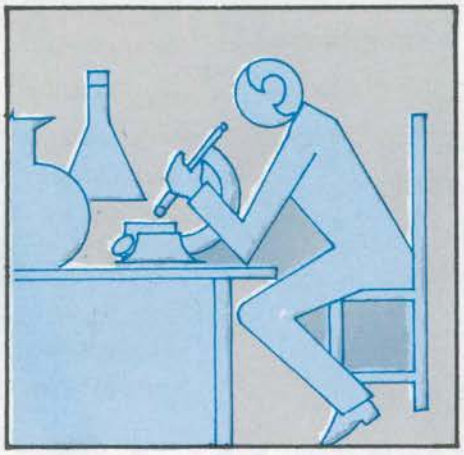

प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण/ उन्नयन

वर्ष के दौरान पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में बेहतर ढग से कार्य करने के लिए उसे निकट के ही बडी जगह वाले नए भवन में स्थानान्तरित किया गया।

परीक्षण उपस्करों में वृद्धि

अतिरिक्त परीक्षण उपस्करों और सहायकांगों की खरीद के लिए योजनागत निधि से रू० 0.6 करोड़ की राशि खर्च की गई और आधुनिकीकरण योजना के अन्तर्गत विश्व बैंक निधि से रू० 0.05 करोड़ की राशि भी खर्च की गई।

भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय (इन्डो-ईईसी) सहयोग

भा. मा. ब्यूरो प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण/उन्नयन करने के लिए भारत–यूरोपीय आर्थिक समुदाय सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन विशिष्ट क्षेत्रों, अर्थात् खाद्य संसाधन क्षेत्र, विद्युत उपकरण और मोटरगाड़ी क्षेत्रों की पहचान एतदर्थ की गयी।

केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद और पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता की खाद्य संसाधन के क्षेत्र में नए उपरकर लगाने के लिए पहचान की गई। अन्तर्राष्ट्रीय पद्धति के समान स्तर पर परीक्षण सुविधाओं को लाने के लिए पर्यावरण की स्थतियों को सुधारने के साथ–साथ नमूने तैयार करने की तकनीक सुधारने, अतिरिक्त परीक्षण उपस्कर लेने के लिए कार्यवाही की गई।

कैम्पेन फूड एंड ड्रिंक रिसर्च एसोसिएशन (सीएफडीआरए) यूनाइटेड किंगडम से दो सदस्यों के एक दल ने फरवरी 1994 में केन्द्रीय प्रयोगशाला में वर्तमान रिथति के मूल्यांकन तथा भारत–यूरोपिय आर्थिक समुदाय आधुनिकीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत एतदर्थ अपेक्षित सहायता के मूल्यांकन के लिए दौरा किया। इस प्रयोगशाला हेतु आठ बड़े परीक्षण उपस्करों की पहचान की गई, इसकी ब्यौरेवार विशिष्टि तैयार की गई और यह संभावना है कि 1994-95 की पहली तिमाही में उनकी खरीद के लिए विश्व स्तर पर निविदा आमंत्रित की जाएगी।

मोटरगाड़ी क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आधुनिकीकरण योजना के भाग के रूप में, केन्द्रीय प्रयोगशाला की यांत्रिक प्रयोगशाला को स्कूटर और मोटरसाइकिल सवारों के लिए सुरक्षात्मक हेल्मेट और मोटरगाड़ी वाहनों में उपयोग के लिए सुरक्षित शीशे संबंधी नवीनतम परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अभिज्ञात किया गया। इस परियोजना के लिए टर्न की आधार पर कोटेशनों के लिए विश्वस्तर पर निविदाएं मंगाई जा रही हैं।

LABORATORY SERVICES

The network of eight BIS laboratories, spread throughout the country, rnaintained an even pace in the activities of testing conformity of BIS certified products against relevant Indian Standards. During the year, 33 730 test reports covering a wide range of products were issued.

The BIS Laboratories also undertook R&D work based on the demands from Technical Committees. Samples of electric iron, plugs and sockets and immersion water heaters of popular brands were also tested for evaluation of the quality of some of the house-hold electrical appliances.

MODERNIZATION/UPGRADATION OF LABORATORIES

During the year, the Eastern Regional Laboratory at Calcutta was transferred to a adjacent new spacious building for better functioning.

Addition of Test Equipment

A sum of Rs 6 million out of planned fund was spent for purchase of additional test equipment and accessories and a sum of Rs 0.5 million was also spent under the World Bank Fund under the Modernization Plan.

INDO-EEC Cooperation

Under Indo-EEC Cooperation Programme for Modernization/ Upgradation of BIS Laboratories, three specific areas, namely, food processing sector, electrical appliances and automobile sector were identified.

The Central Laboratory, Sahibabad and Eastern Region Laboratory, Calcutta have been identified for equipping themselves in the field of the Food Processing Sector. Steps have already been taken for improving environmental conditions as well as sample preparation techniques, procuring additional test equipment in order to bring the testing facilities at par with international practices.

A two member team from Campden Food & Drink Research Association (CFDRA), UK visited the Central Laboratories in February 1994 for assessment of present status *vis-a-vis* assistance required under the Indo-EEC Programme for modernization. Eight major test equipment have been identified, detailed specification drawn up and global tender for their procurement is likely to be issued in the first quarter of 1994-95.

As part of the modernization plan for catering to the needs of the automobile sector, the mechanical laboratory at Central Laboratory has been identified for equipping itself with latest testing facilities for

पहले से अभिज्ञात की गई भामा ब्यूरो की साहिबाबाद स्थित केन्द्रीय प्रयोगशाला और मद्रास स्थित दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय प्रयोगशाला में विद्युत उपकरणों के क्षेत्र में आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए जो कार्य किया जाना है, उसमें परीक्षण उपस्करों के उन्नयन के अतिरिक्त पर्यावरण की स्थितियों मे सुधार लाना भी शमिल है। यह प्रस्ताव है कि इस प्रकार के उपकरण प्राप्त किए जाएं जो आटोमेटिक रिकार्डिंग सहित परीक्षण के अनुक्रम, प्रचालक के गलत निर्णय के कारण होने वाली अशुद्धियों को दूर करने में भी समर्थ हों। इस परियोजना के लिए अपेक्षित उपस्करों को पहचान कर ली गई है, इनकी विशिष्टयां बनाई गई और कोटेशन के लिए निविदाएं मंगाई जा रही हैं।

उपर्युक्त तीन क्षेत्रों के लिए दल के सदस्यों को अभिज्ञात कर लिया गया है, उन्हें विदेश में इन विशिष्ट क्षेत्रों के प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। यह प्रशिक्षण 1994 में पूरा होगा।

आईईसीईई सीबी योजना के अन्तर्गत स्वतंत्र परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में प्रयोगशाला को मान्यता

चुनिंदा विद्युत उपकरणों के क्षेत्र में विद्युत उपकरणों की निरापदता के लिए मानकों के प्रति अनुरूपता परीक्षण में आईईसी तंत्र (आईईसीईई सीबी) योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय प्रयोगशाला साहिबाबाद तथा दक्षिण क्षेत्रीय प्रयोगशाला, मद्रास को स्वतंत्र परीक्षण प्रयोगशालाओं के रूप में अनुमोदित कराने के प्रयत्न किए जा रहे हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रत्यायन

यह योजना इसलिए बनाई गई है ताकि परीक्षण और अंशशोधन के समन्वित कार्यक्रम के माध्यम से औद्योगिक उत्पादों की गुणता में सुधार लाया जा सके, उपभोक्ताओं को संरक्षण दिया जा सके और भारतीय वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

अपनी प्रयोगशालाओंका प्रत्यायन कराने के लिए भा. मा. ब्यूरो ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग (एनएबीएल) प्रोग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

साहिबाबाद में यांत्रिक और खाद्य/रसायन प्रयोगशालाओं का एनएबीएल के अन्तर्गत पहले ही प्रत्यायन कराया गया है। अन्य क्षेत्रीय/शाखा प्रयोगशालाओं के साथ–साथ केन्द्रीय प्रयोगशाला के अतिरिक्त क्षेत्रों के लिए एनएबीएल प्रत्यायन प्राप्त कराने की दिशा में सकारात्मक कार्यवाही की जा रही है। भा. मा. ब्यूरो ने इन्टर–मिनिस्ट्रियल टास्क फोर्स वर्किंग ग्रुप "ओ"–एक्रिडिटेशन ऑफ लेबोरेटरी में भी प्रतिनिधित्व किया है। कैम्पेन फूड एंड ड्रिंक रिसर्च एसोशियेशन (सीएफडीआरए), यूनाइटेड किंगडम को भारत–यूरोपिय समुदाय आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत खाद्य संसाधन के क्षेत्र में हमारे परीक्षण कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं देने के लिए अभिज्ञात किया गया है।

protective helmets for scooter and motor cycle riders and also for the safety glass for use in automobiles. Global tender has been floated inviting quotations for this project on a turnkey basis.

Modernization and upgradation in the field of electrical appliances to be carried out at identified BIS Central Laboratory, Sahibabad and SRO Laboratory, Madras would include improving environmental conditions besides upgradation of the testing equipment. It is proposed to procure such equipment which are capable of performing the test sequence with automatic recording, enabling elimination of errors which may be caused due to the operator's wrong judgment. The equipment have been identified, specifications drawn and a tender has been floated inviting quotations for this project.

For above three areas, team members have also been identified for training abroad in specialized areas. Training will be completed in 1994.

LABORATORY ACCREDITATION AS AN INDEPENDENT TESTING LABORATORY UNDER THE IECEE CB SCHEME

Efforts are being made to get the Central Laboratory, Sahibabad and Southern Region Laboratory, Madras approved as independent testing laboratories under IEC System for Conformity Testing to Standards for Safety of Electrical Equipments (IECEE CB) Scheme in the field of selected electrical appliances.

ACCREDITATION BY DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

This Scheme is designed to ensure improvement in the quality of industrial products, provide consumer protection and promote export of Indian goods, through a coordinated programme of testing and calibration

BIS actively participated in the National Accreditation Board for Testing Laboratories (NABL) Programme being implemented by Department of Science and Technology (DST) for obtaining accreditation of their laboratories.

The Mechanical and Food/Chemical laboratories at Sahibabad are already accreditated under NABL. Positive steps are being taken for obtaining accreditation from NABL for other Regional/Branch Laboratories as well as the additional areas in Central Laboratory. BIS is also represented in the Inter-Ministerial Task Force Working Group 'O' - Accreditation of Laboratory. Campden Food & Drink Research Association (CFDRA), UK has been identified for imparting training facilities to our testing personnel under Indo-EEC Cooperation Programme in the food processing sector.

भामा ब्यूरो को प्रयोगशालाओं की मान्यता देने की योजना

भामा ब्यूरो की प्रयोगशालाओं को मान्यता देने की योजना को विज्ञान एवं प्रौधोगिकी विभाग की राष्ट्रीय प्रत्यायन योजना (एनएबीएल) के साथ एकरूप किया जा रहा है ताकि इसे आईएसओ/आईईसी गाइड 25 और IS 14000, ISO 9000, ई एन 45000 मानकों की श्रृंखला के साथ एकरूप किया जा सके।

वर्ष 1993.94 के दौरान 10 नई प्रयोगशालाओं को मान्यता दी गई और इससे भामा ब्यूरो से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की संख्या 288 हो गई है।

गुणता आश्वासन

1990 में तैयार किया गया गुणता मैन्यूअल, जिसमें केन्द्रीय प्रयोगशाला द्वारा प्रयोगशाला की उपयुक्त रीतियों के प्रचालन और प्रबन्धन के सभी पहलू शामिल हैं, का पुनरीक्षण किया गया है ताकि यह आईएसओ/आईईसी गाइड 25 और IS 14000/ISO 9000/ईएन 45000 श्रृंखला में निर्दिष्ट विभिन्न अपेक्षाओं को पूरा कर सकें।

परीक्षण की विश्वसनीयता बढ़ाने के उपाय के रूप में मई 1993 में गुणता आश्वासन परीक्षण आरंभ किया गया। इस उद्देश्य के लिए नमूनों को पहचान की गुप्त रखने के बाद पहले से ही परीक्षित नमूनों में से 5 से 10 प्रतिशत नमूने यादृच्छिक आधार पर लिए जाते हैं चाहे वे नमूने अपेक्षाओं में हों अथवा नहीं प्रयोगशाला में क्रांतिक अपक्षाओं के लिए उनका पुनः परीक्षण किया जाता है और मूल परीक्षण में परिणामों से तुलना की जाती है। इसके माध्यम से उल्लेख योग्य कारणों को दूर करने में सहायता तो मिलती ही है, साथ ही साथ यह हमारी अपनी ही परीक्षण प्रणाली की सम्परीक्षा भी हो जाती है।

अंशशोधन सुविधाएं

केन्द्रीय प्रयोगशाला में विद्यमान अंश–शोधन सुविधाएं इसकी आन्तरिक आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं। वर्ष के दौरान, जिन यात्रिक उपकरणों/उपस्करों का अंशशोधन किया गया वे हैं दाबमापी (प्रेशर गेज) माइक्रोमीटर, वर्नियर केलिपर, डायल गेज, डायल थिकनेस गेज, यूनिवर्सल परीक्षण मशीनें और तनन परीक्षण मशीन, सादा प्लग गेज तथा चूड़ीदार प्लग गेज। ये अंशशोधक राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में अनुरक्षित नेशनल स्टैण्डर्ड के साथ अनुरेखणीय हैं।

तुलनात्मक पद्धति द्वारा "ओ" ग्रेड गेज ब्लॉक के अंशशोधन की सुविधा और तीन कोर्डिनेट यूनिवर्सल मापन मशीनें केन्द्रीय प्रयोगशाला में लगने वाली हैं। तापमान, आयतन, चूड़ी मापन, द्रव्यमान, उच्च वोल्टता, पॉवर, एसी/डीसी वोल्टता, करेंट संशेधक मानक प्रतिरोधिता के क्षेत्र में और अधिक अंशशोधक सुविधाएं और अधिक परिशुद्ध विद्युत मापन की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न मदों के लिए अंशशोधन सुविधाएं क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं में उपलब्ध हैं, अतिरिक्त मदों के लिए सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर दी जा रही हैं।

संदर्भ सामग्रियाँ

भामा ब्यूरो को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा रेफरेंस मैटीरियल से सम्बन्धित गतिविधियों की मॉनीटरी के लिए नोडल अभिकरण के रूप में अभिज्ञात किया जाता है।

इस समय संदर्भ सामग्रियाँ का उत्पादन और आपूर्ति कुछ प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं जैसे राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद् (एनसीसीबीएम), रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद और भारतीय भू सर्वेक्षण (जी एस आई), कलकत्ता द्वारा की जाती है तथापि संदर्भ सामग्रियाँ की देश में उपलब्धता की सूचना कहीं भी एक जगह पर नहीं है।

उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए भामा ब्यूरो ने भारत में संदर्भ सामग्रियाँ संबंधी गतिविधियों पर स्थिति–रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में कार्यवाही करना आरंभ किया है।

BIS Laboratory Recognition Scheme

The BIS Laboratory Recognition Scheme is being aligned to the National Accreditation Scheme (NABL) of Department of Science & Technology to align it with ISO/IEC Guide 25 and IS 14 000/ISO 9000/ EN 45 000 series of Standards.

During the year 1993-94 10 new laboratories were recognized and with this addition, the total number of BIS recognized laboratories became 288.

QUALITY ASSURANCE

The Quality Manual covering all aspects of management and operation of good laboratory practices of the Central Laboratory, prepared in 1990, has now been revised to meet the various requirements as specified in ISO/IEC Guide 25 and IS 14 000/ISO 9 000/EN 45 000 series.

As an added confidence building measure, quality assurance testing was introduced in May 1993. For this purpose, 5 to 10 percent of already tested samples are picked up at random, irrespective of their conformity or non conformity to the requirements and retested in the laboratories for critical requirements, afer hiding the identity of the samples. The test results thus obtained are compared with original test results. This exercise helps in eliminating assignable causes and at the same time works as audit on our own testing system.

CALIBRATION FACILITY

The Calibration facilities, existing in the Central Laboratory, are catering to its internal needs. During the year, mechanical instruments/ equipment calibrated were pressure gauges, micrometers, vernier calipers, dial gauges, dial thickness gauges, universal testing machine and tensile testing machine, plain plug gauges and threaded plug gauges. The calibrators are traceable to National Standards maintained by National Physical Laboratory (NPL), New Delhi.

Facility for calibrating 'O' grade gauge blocks by comparison method and three coordinate universal measuring machine are under commission at Central Laboratory. Additional calibration facilities in the areas of temperature, volume, thread measurement, mass, high voltage, power, AC/DC voltage, current calibrators, standard resistances and facility for high accuracy electrical measurements are being created. Calibration facilities for various items are also available at the Regional Laboratories. Facilities for additional items are being created on priority.

REFRENCE MATERIALS

BIS has been identified as the nodal agency to monitor the activities relating to reference materials by the Department of Science and Technology (DST), Government of India

At present reference materials are being produced and supplied by some reputed laboratories like National Council of Cement and Building Materials (NCCBM), Defence Research Laboratory, Hyderabad and Geological Survey of India (GSI), Calcutta. However, the information of indigenous availability of reference materials is not available on a common platform.

BIS has taken steps in preparing status report on reference material activities in India for the benefit of users.

सूचना सेवाएं

मानकों, तकनीकी विनियमों और गुणता पद्धति के बारेमें सूचना उद्योग, निर्यातकों तथा अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने मुख्यालय, तथा क्षेत्रीय व शाखा कार्यालयों के तकनीकी सूचना सेवा विभागों के माध्यम से भा. मा. ब्यूरो यह सूचना और कई अन्य प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। जमशेदपुर तथा मैसूर में भी दो केन्द्र कार्यरत हैं।

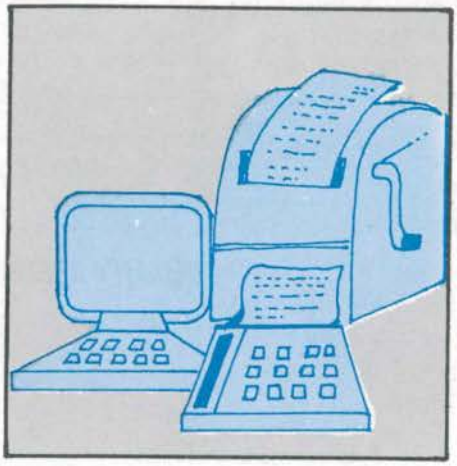

तकनीकी सूचना सेवाएं

"मानक संदर्भिका" नामक विश्व मानक डाटाबेस से उपभोक्ताओं को कई संदर्भिकाएं प्रदान की गयीं। "बायर्स गाइड – डाटाबेस ऑफ प्रोडक्ट कवर्ड अन्डर दी सर्टीफिशन मार्क्स स्कीम ऑफ बीआईएस" की उपभोक्ताओं द्वारा काफी संख्या में मांग की गई। उद्योग और उपयोगकर्ताओं को मानकीकरण और गुणता पद्धति में हुए अद्यतन विकास की जानकारी देने के लिए भामा ब्यूरो ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित सूचना बुलेटिन नियमित रूप से प्रकाशित किये :

I) मानकदूत (त्रैमासिक, हिन्दी पत्रिका)

ii) स्टैण्डर्डस इंडिया (मासिक, अंग्रेजी पत्रिका)

iii) स्टैण्डर्डस वर्ल्ड ओवर–मन्थली एडीशन्स

iv) करेन्ट पब्लिशड इन्फोरमेशन ऑन स्टैण्डर्डाइजेशन (मासिक) तथा

v) ईसी नॉर्म–स्कैन (तकनीकी विधान, मानकीकरण तथा प्रमाणन में यूरोप में हुए विकास के बारे में त्रैमासिक न्यूज लैटर)।

इसके अलावा भामा ब्यूरो ने "बीआईएस हैंडबुक" तथा "सेक्शनल लिस्टस" जैसे कई सूचनात्मक प्रकाशन प्रकाशित किये।

गैट पूछताछ केन्द्र

भामा ब्यूरो भारत में गैट पूछताछ केन्द्र के रूप में गैट के सदस्यों तथा निर्यातकों को मानकों, विनियमों तथा प्रमाणन पद्धतियों के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पूछताछ केन्द्र भारतीय मानकों, तकनीकी विनियमों तथा प्रमाणन पद्धतियों के बारे में विदेशों से प्राप्त पूछताछों का भी उत्तर देता है। इस पूछताछ केन्द्र ने निर्यातकों, उद्योगों, सरकारी एजेंसियों तथा विदेशी उपयोगकर्ताओं से इस संबंध में प्राप्त 6000 से अधिक पूछताछों का उत्तर दिया।

आइसोनेट की गतिविधियां

भामा ब्यूरो ने अन्तर्राष्ट्रीय सूचना नेटवर्क (आइसोनेट), जो आईएसओ सूचना समिति (इन्फको) के अन्तर्गत कार्य करता है, में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। यह एक विकेन्द्रीकृत व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक सूचना केन्द्र, इसमें भाग लेने वाले देश के मानकों और मानकों से सम्बद्ध ऐसे ही प्रलेखों के बारे में सूचना का संग्रह करने, उसकी विषय सूची बनाने तथा सूचना की पुनः प्राप्ति के लिए उत्तरदायी होता है। आइसोनेट मैनुअल के अनुसार उद्योग तथा निर्यातकों को तकनीकी सहायता देने के लिए भारतीय मानकों पर डाटाबेस बनाने में प्रगति हुई।

INFORMATION SERVICES

Information about standards, technical regulations and quality systems is vital for industry, exporters and other users. BIS provides this information and a range of other services through its Technical Information Services from Headquarters and Regional and Branch Offices. Two information centres are also functioning at Jamshedpur and Mysore.

TECHNICAL INFORMATION SERVICES

A number of bibliographies were provided to the users from the database of world standards 'MANAKSANDARBHIKA'. Buyers' Guide - Database of products covered under the Certification Marks Scheme of BIS continued to be in great demand by the users. To keep the industry and users abreast with the latest developments in standardization and quality systems, BIS brought out following information bulletins regularly during the year:

i) *Manakdoot* (quarterly, Hindi journal);

ii) Standards India (monthly, English journal);

iii) Standards Worldover—Monthly Additions;

iv) Current Published Information on Standardization (monthly); and

v) EC Norm-Scan (quarterly newsletter on developments in Europe in technical legislation, standardization and certification).

Besides, BIS also brought out a number of informative publications, such as the BIS Handbook and Sectional Lists.

GATT ENQUIRY POINT

BIS as GATT Enquiry Point for India provides information on standards, regulations and certification systems to GATT members and exporters. The Enquiry Point also receives enquiries from abroad about Indian Standards, technical regulations and certification systems. The Enquiry point answered over 6 000 enquiries from exporters, industry, Government agencies and overseas users in this regard.

ISONET ACTIVITIES

BIS actively participates in the International Information Network (ISONET) which functions under the ISO Information Committee (INFCO). It is a decentralized system in which each information centre is responsible for collecting, indexing and retrieving information on standards and standards type documents of the participating country. Progress was made for creation of a database on Indian Standards, in accordance with the ISONET Manual, for providing technical assistance to industry and exporters.

पुस्तकालय सेवाएं

मुख्यालय में स्थित पुस्तकालय में 50 000 पुस्तकों, पेम्फलेटों, मोनोग्रामों इत्यादि के अलावा 0.06 करोड़ राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा विदेशी मानकों, संहिताओं तथा तकनीकी विनियमों का संग्रह है। इस वर्ष पुस्तकालय में 14 350 पुस्तक, मानक तथा मानक जैसे प्रलेख और जोड़े गये। इसमें नियमित आधार पर प्राप्त होने वाली 530 तकनीकी पत्रिकाएं तथा अवधिक पत्रिकाएं भी आयीं।

7 000 आगुन्तकों के लिए 10 व्यापक–विषय संबंधी संदर्भिकाएं तैयार करने और उन्हें अपनी पसन्द की संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराने के माध्यम से संदर्भ सेवा उपलब्ध करायी गयी। ब्यूरो ने भारतीय व्यापार और उद्योग की सहायता उनसे प्राप्त 2 000 पूछताछों का उत्तर देने के माध्यम से की। विभिन्न संवर्गों के 2 300 संगठन तथा व्यक्ति पुस्तकालय के सदस्य हैं। व्यापार तथा उद्योग के प्रतिनिधियों तथा ब्यूरो के अधिकारियों और स्टाफ को लगभग 70 000 प्रकाशन/मानक जारी किये गये।

कम्प्यूटरीकरण तथा कार्यालय स्वचलन

उत्पादकता तथा समग्र कार्यदक्षता में सुधार लाने के लिए विभिन्न प्रकार्यात्मक क्षेत्रों में कार्यलय स्वचलन की दिशा में प्रयास जारी रहे। ब्यूरो मुख्यालय के विभिन्न विभागों, क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में 28 पीसी/एटी तथा अपेक्षित संख्या में प्रिंटर उपलब्ध कराये गये।

ये सुविधाएं वर्तमान सुविधाओं को बढ़ाने और भामा ब्यूरो के प्रकाशनों की बिक्री तथा इन्वेटरी के कम्प्यूटरीकरण से संबद्ध नया नेटवर्क आरंभ करने, व्यापक–क्षेत्र नेट वर्किंग, शिकायतों का डाटावेस बनाने, प्रवर्तन संबंधी गतिविधियों, इत्यादि के लिए थीं सॉफ्टवेयर के आधुनिकतम संस्करण, वर्डस्टार 6, वेनचुरा, दकिल तथा लेवल 05 भी ब्यूरो के कम्प्यूटर केन्द्र के लिए खरीदे गये।

विभिन्न क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों तथा मुख्यालय के कुछ विभागों के लिए 10 फोटोकोपियर स्थापित किये गये। कुछ द्विभाषी इलैक्ट्रानिक टाइपराइटर भी खरीदे गये।

पद्धति का विकास तथा आंकडा संसाधन

निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वर्तमान अनुप्रयोग साफ्टवेयर पैकेज में वृद्धि की गयी और अन्य अनुप्रयोग साफ्टवेयर विकसित किये गये:

- ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों की योजना, समीक्षा तथा मानीटरिंग में उपयोग के लिए प्रबंध सूचना रिपोर्ट तैयार करना,
- प्रचालनात्मक स्तर के लिए फीडबैक सूचना रिपोर्ट तैयार करना, तथा
- मानकों तथा प्रमाणन पर शीघ्र और विश्वसनीय सूचना देकर देशभर के उद्योग, उपयोगकर्ताओं और उपभोक्ताओं की सेवा करना।

वर्ष के दौरान इसके अन्तर्गत सम्मिलित कुछ क्षेत्र इस प्रकार है :

मानक निर्धारण गतिविधियाँ

वर्तमान पैकेज को और अधिक बढ़ाने के लिए इसमें आईईसीक्यूसी, ईएन तथा डाटाबेस में मानक की अन्य श्रृंखलाओं को शामिल करने के लिए इसमें संशोधन किया गया।

LIBRARY SERVICES

The library at Headquarters has a collection of over 0.6 million national, international and overseas standards, codes and technical regulations, besides around 50 000 books, pamphlets, monographs, etc. BIS libraries added to its collection 14 350 books, standards and standard type documents during the year. It also received on a regular basis 530 technical journals and periodicals.

Reference service was provided to 7 000 visitors by way of preparing 10 exhaustive subject bibliographies and making available the reference materials of their choice. It also assisted the Indian trade and industry by answering over 2 000 queries received from them. 2 300 individuals and organizations are members of the library in various categories. About 70 000 publications/standards were consulted or issued to the representatives of trade and industry and officers and staff of the Bureau.

COMPUTERIZATION AND OFFICE AUTOMATION

To improve productivity and overall efficiency, efforts were continued towards office automation in various functional areas. 28 PC/AT's and requisite number of printers were provided to various departments at Headquarters, Regional and Branch Offices of the Bureau.

These were meant for augmenting the existing facilities and also for starting of new work relating to computerization of sales and inventory of BIS publications, wide area networking, complaints database, enforcement activities, etc. The latest versions of Software, namely, Wordstar 6, Ventura, Clipper and Level 05 were also procured for the Bureau's Computer Centre.

Ten photocopiers were installed in various Regional and Branch Offices and also some departments in Headquarters. Some bilingual electronic typewriters were also provided.

Development of Systems of Data Processing

The existing application software packages were augmented and new application softwares were developed to meet the following requirements:

- to generate Management Information Reports for use in planning, review and monitoring of the various activities of the Bureau,
- to generate feedback information reports for operational levels, and
- to serve industry users and consumers in the country with quick and reliable information on Standards and Certification.

Some of the areas covered during the year are given as under:

Standards Formulation Activities

To further augment the existing package, the system was modified for accomodating IECQC, EN and other series of standards on the database.

कार्मिक प्रबन्ध

कर्मचारियों के कार्मिक सूचना संबंधी डाटाबेस को अद्यतन बनाने और विभिन्न रिपोर्टें तैयार करने के अलावा ब्यूरो में विभिन्न पदों के लिए आवेदनों के प्रक्रमण के लिए नयी पद्धति विकसित की गयी।

बिक्री

बिक्री संबंधी गतिविधि की योजना बनाने, उसकी समीक्षा करने तथा उसकी मानीटरिंग करने में प्रबंध वर्ग की सहायता करने के लिए प्रत्येक तकनीकी विभाग की आय और उसके अंश सहित भारतीय मानकों और विशेष प्रकाशन की बिक्री जैसी रिपोर्ट तैयार की गयीं।

वित्त

वेतन चिट्ठा डाटाबेस का रख–रखाव किया जा रहा है और विभिन्न रिपोर्ट, जब और जैसी भी आवश्यकता हो, तैयार की जा रही हैं। पेंशन लेने वालों के डाटाबेस के साफ्टवेयर को और अधिक विकसित करने के लिए कार्यक्रम तैयार किया गया, जिससे पेंशन लेने वालों के भुगतान का रजिस्टर तैयार किया जा सके।

सार्वजनिक शिकायतें

उपभोक्ता शिकायत मानीटरिंग पद्धति के लिए एक पद्धति अध्ययन किया गया और इन आंकड़ों के इनपुट तथा संशोधन के लिए प्रोटोटाइप विकसित किया गया।

विश्व बैंक निधि के अन्तर्गत परियोजनाएँ

विश्व बैंक निधि के अन्तर्गत "आग से सुरक्षा के लिए दक्ष प्रणाली" को विकसित करने के लिए एक परियोजना आरंभ की गयी। यह साफ्टवेयर एनआईआईटी लिमि., नई दिल्ली द्वारा विकसित किया गया है। "राष्ट्रीय भवन संहिता– भाग 4 का पुनरीक्षित संस्करण साफ्टवेयर को अघतन बनाने के लिए उपयोग में लाया गया।

इलैक्ट्रानिक कारपोरेशन आफ इंडिया लिमि. (ईसीआईएल) ने भामा ब्यूरो के अधिकारियों तथा राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एनआईसी) और इलेक्ट्रॉनिक विभाग (डी ओई) के विशेषज्ञों के साथ कई बैठकें आयोजित करने के बाद "भामा ब्यूरो में सूचना प्रणाली" पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

Personnel Management

Besides updating the database of personnel information of employees and generating various reports, a new system was developed for processing of applications for various posts in the Bureau.

Sales

To assist management in planning, reviewing and monitoring sales activity, reports like Sale of Indian Standards and Special Publications - alongwith the earning and share of each Technical Department were generated.

Finance

Payroll database is being maintained and various reports are generated as and when required. To augment the software on pensioners database, a Programme was developed to generate Register of Payment to pensioners.

Public Grievances

System study was carried out for Consumer Complaint Monitoring System and a prototype was developed for input and modification of data.

Projects Under World Bank Funds

A project was undertaken to develop an 'Expert System for Fire Protection' under World Bank Funds. The software has been developed by NIIT Ltd, New Delhi. The revised version of National Building Code - Part IV was used to update the software.

Electronics Corporation of India Ltd (ECIL) submitted the final report on Information Systems in BIS after a series of meetings with BIS officials and experts from National Information Centre (NIC) and Department of Electronics (DOE).

पर्यावरण संरक्षण

अपने विभिन्न विभागों के माध्यम से ब्यूरो पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय मानकों के निर्धारण के कार्य में सक्रियता से जुड़ा है। अब तक लगभग 250 भारतीय मानक निर्धारित किये गये हैं, जिनमें परीक्षण पद्धतियां, रीति संहिताएं, ठोस अवशिष्ट के प्रबन्ध के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत तथा बहिः स्राव और उत्सर्जन के उपचार शामिल हैं । इस वर्ष भारतीय मानक, IS 13967 : 1993 "पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति" प्रकाशित किया गया। यह मानक अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह आशा की जाती है कि भारतीय उद्योग में पर्यावरण प्रदूषण के बेहतर नियंत्रण और प्रबन्ध में यह मानक मददगार साबित होगा।

भा. मा. ब्यूरो पर्यावरण तथा वन मंत्रालय (एमईएफ) के साथ घनिष्ठ सहयोग से बहिःस्राव और उत्सर्जन सीमाओं पर मानक तैयार करने और भारत सरकार द्वारा चलायी गयी इको मुहर योजना के अन्तर्गत मानदंड विकसित करने के कार्य में लगा हुआ है। पर्यावरण तथा वन मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत में ईको मुहर योजना के कार्यन्वयन के लिए विषय क्षेत्र में शामिल उत्पादों के लिए ब्यूरो को प्रशासनिक प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित किया है। इस संदर्भ में भा. मा. ब्यूरो ने नहाने के साबुन, धुलाई के साबुन, अपमार्जक, कागज तथा इमारतों के लिए प्रयुक्त रंगरोगन से संबद्धी 44 भारतीय मानकों के संशोधन प्रकाशित किये है।

इको लोगो के मुहरांकन के योग्य उत्पाद पर आईएसआई मुहर लगा होना भी जरूरी है। भा. मा. ब्यूरो ने इको मुहर योजना के लिए IS 9458 : 1980 " ऊनी तथा अन्य नाजुक वस्त्रों की धुलाई के लिए संशलिष्ट अपमार्जक" के प्रति लाइसेंस प्रदान किया।

ENVIRONMENT PROTECTION

The Bureau is actively engaged in formulation of Indian Standards for environmental protection through its various Divisions. So far, over 250 Indian Standards covering methods of test, codes of practice, guidelines for solid waste management and treatment of effluents and emissions have been formulated. During the year, an Indian Standard, IS 13967:1993 on environment management systems was formulated. This standard is very significant and is expected to help in better control and management of environmental pollution in Indian industry.

BIS is very closely interacting with Ministry of Environment and Forests (MEF) for development of standards on effluent and emission limits and also for development of criteria under ECO Mark Scheme launched by Government of India. The Bureau has been notified as the administering authority by the Ministry of Environment and Forests, Government of India, for products covered under its scope of work for implementation of the ECO Mark Scheme in India. In this context, BIS has already published amendments to 44 Indian Standards pertaining to toilet soaps, laundry soaps, detergents, paper and architectural paints.

For a product to be eligible for marking with ECO logo, it shall also carry the ISI Mark. The Bureau has already granted a licence under the Eco-Marking Scheme against IS 9458:1980 Synthetic detergents for washing woollen and other delicate fabrics.

मानकों का कार्यान्वयन तथा उनकी बिक्री

संवर्धनात्मक गतिविधियां

ब्यूरो ने सभी संबंधितों के लाभ के लिए भारतीय मानकों और भामा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के बढ़ते हुए महत्व ओर उपयोगिता के बारे में लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना जारी रखा ।

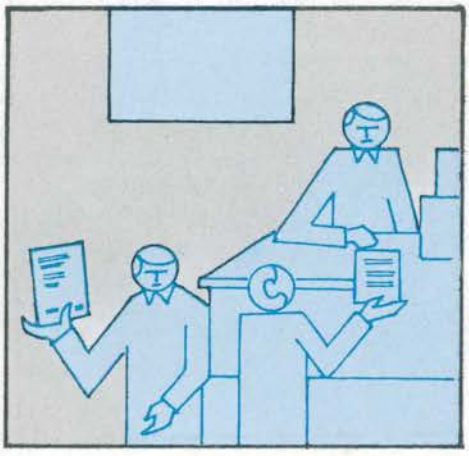

कम्पनी मानकीकरण में परामर्श

विश्व बैक परियोजना के अन्तर्गत भा मा ब्यूरो कम्पनी मानकीकरण के क्षेत्र में लद्यु क्षेत्र के उद्योगों को बिना किसी लागत के तीन चरणों में परामर्श देता है। ये तीन चरण हैं, पायलेट अध्ययन, प्रशिक्षण तथा पद्धति की समीक्षा । पायलेट अध्ययन के लिए 6 इकाइयों का चुनाव किया गया और इन इकाइयों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

मानकीकरण तथा गुणता पद्धति के लिए राज्य स्तरीय समितियाँ (एसएलसी)

19 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित राज्यस्तरीय समितियाँ (एसएलसी) राज्यों में निर्मित उत्पादों और राज्य सरकार द्वारा खरीदी जा रही वस्तुओं की गुणता बढ़ाने में राज्य सरकार की सहायता करने के लिए कार्य कर रही हैं। 23 राज्यों और संघ क्षेत्रों में राज्यस्तरीय समितियाँ पहले से ही स्थापित हैं। भा मा ब्यूरो अरूणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम, सिक्किम, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दमन तथा दीव और लक्षद्वीप में यथाशीघ्र राज्य स्तरीय समितियों की स्थापना के लिए कार्यवाही कर रहा

विश्व मानक दिवस समारोह

अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन, (आईएसओ) की स्थापना को महत्व देने के उद्देश्य से 14 अक्तूबर को विश्व मानक दिवस 1993 आयोजित किया गया।

इन समारोहों के भाग के रूप में संगोष्ठियाँ, प्रदर्शनियाँ, व्याख्यान, बैठकें तथा खुली परिचर्चाएँ, मुख्यालय, क्षेत्रीय, शाखा कार्यालयों में आयोजित की गयीं। "सूचना प्रबंध–विश्व मानकों के साथ तीव्र तथा बेहतर" की मुख्य विषय वस्तु पर नई दिल्ली में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन केन्द्रीय नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री ए.के. एन्टोनी ने किया । इस संगोष्ठी को नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्री कमालुद्दीन अहमद ने भी सम्बोधित किया ।

मानक इंजीनियर्स संस्थान (एसईआई)

भामा ब्यूरो ने मानकीकरण और गुणता आन्दोलन की अवधारणा को बढ़ाने के लिए मानक इंजीनियरी संस्थान (एस ई आई.) जो कि कार्यरत मानक इंजीनियरों का व्यवसायिक निकाय है, के साथ सहयोग करने और एसईआई को सचिवालयी सुविधाएँ प्रदान करना जारी रखा ।

IMPLEMENTATION AND SALE OF STANDARDS

PROMOTIONAL ACTIVITIES

The Bureau continued to promote awareness about the increasing importance and utility of Indian standards and BIS Certification Marks Scheme for the benefit of all concerned.

Consultancy in Company Standardization

Under the World Bank Project, BIS provides consultancy in the field of Company Standardization to small scale industries, free of cost, in three phases, that is, pilot study, training and system review. Six units, were selected for the pilot study and after assessment of the amenability of these organizations, for company standardization, training programmes were organized for two units.

State Level Committees for Standardization and Quality Systems (SLC)

State Level Committees for Standardization and Quality Systems (SLC) set up in 19 States and 2 Union Territories are functioning to help the State Governments to upgrade the quality of products manufactured in the States as well as goods procured by them. SLCs in 23 States and Union Territories have already been set up. BIS is following up with Arunachal Pradesh, Goa, Mizoram, Sikkim, Andaman & Nicobar Islands, Chandigarh, Daman and Diu, and Lakshwa Dweep to set up SLCs on urgent basis.

World Standards Day Celebrations

World Standards Day 1993 was celebrated on 14 October to mark the extablishment of the International Organization for Standardization (ISO). As a part of these celebrations, seminars, exhibitions, lecture meetings and open-houses were organized at Headquarters, Regional Offices and Branch Offices. A seminar on the them `Information Management - Faster and Better with Global Standards organized at New Delhi was inaugurated by Shri A.K. Antony, Union Minister for Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution which was also addressed by Shri Kamaluddin Ahmed, Minister of State for Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution.

Institute of Standards Engineers (SEI)

BIS, as in the previous years, actively collaborated with the Institute of Standards Engineers (SEI), a professional body of practising standards engineers, to promote the concept of standardization and quality movement and also continued to provide secretarial facilities to SEI.

देश में मानकीकरण तथा गुणता चेतना बढ़ाने के लिए एसईआई ने स्वतंत्र रूप से अथवा भामा ब्यूरो और अन्य व्यावसायिक निकायों के सहयोग से कई संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, व्याख्यान, बैठकें, कार्यालाएँ इत्यादि आयोजित कीं । उद्योग के लाभ के लिए एसईआई के कई अनुभागों ने कई कम्पनी मानकीकरण प्रशिक्षण, गुणता पद्धति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये ।

बिक्री संबंधी गतिविधि

ब्यूरो मुख्यालय, क्षेत्रीय, शाखा, निरीक्षण कार्यालयों में स्थित 17 बिक्री केन्द्रों के माध्यम से भारतीय मानकों और अन्य प्रकाशनों की बिक्री करता है। इसके अलावा बिक्री की गतिविधि 122 पंजीकृत पुस्तक विक्रेताओं के माध्यम से भी चलायी जाती है । वर्ष 1993-94 के दौरान बिक्री का लक्ष्य रू0 2.10 करोड़ निर्धारित किया गया था और वास्तविक बिक्री रू० 2.443 करोड़ की हुई । इस बिक्री में विदेशी मानकों की बिक्री पर प्राप्त किया गया रू० 0.097 करोड़ का कमीशन भी शामिल है ।

ब्यूरो ने विश्व पुस्तक मेले, व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, आईएसओ फोरम संगोष्ठीयों, विभिन्न सम्मेलनों और परिसंवादों में भामा ब्यूरो के प्रकाशनों की लिए प्रदर्शनी व विक्रय केन्द्र स्थापित किये ।

उन सदस्यों जो रू० 25 000 का चन्दा देकर वर्ष के दौरान प्रकाशित प्रत्येक नये और पुनरीक्षित मानक की एक प्रति प्राप्त करने के अधिकारी हैं, के लिए मानक अद्यतन योजना (स्टैण्डर्डस अपटेड स्कीम) जारी रखी गयी ।

उपर्युक्त के अलावा उन्हें स्टैण्डर्डस इंडिया, स्टैण्डर्डस–मन्थली एडीशन्स, स्टैण्डर्डस वर्ल्ड ओवर : मन्थली एडीशन्स, करेन्ट पब्लिशड इन्फोरमेशन ऑन स्टैण्डर्डाइजेशन विषय सूचियों का एक सेट तथा भामा ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट की मुफ्त प्रतियाँ, दी जाती है। वे मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में स्थित ब्यूरो के पुस्तकालयों में भी जा सकते हैं ।

ब्यूरो ने । अक्तूबर 1993 से विशिष्ट क्षेत्रों में मानक अद्यतन योजना आरंभ की है, जिसका वार्षिक चन्दा प्रत्येक क्षेत्र के लिए रू0 4 000 है, किन्तु प्रबंध और पद्धति के लिए यह चन्दा केवन 1 500 रू0 है ।

The SEI Sections, independently or in collaboration with BIS and other professional bodies, organized several seminars, conferences, lectures, meetings, workshops, etc to promote standardization and quality consciousness in the country. Several Company Standardization Training Programmes and Quality Systems Awareness Programmes were also organized by many Sections of SEI for the benefit of the industry.

SALES ACTIVITY

The Bureau operates sale of Indian Standards and other publications through 17 sales points at Headquarters, Regional, Branch and Inspection Offices. Besides, sales activity is also done through registered booksellers numbering 122. The sales during 1993-94 was Rs 24.43 million against a target of 21.00 million. This included the commission earned on sale of overseas standards amounting Rs 0.97 million.

The Bureau put up display-*cum*-sales counter of BIS publications in World Book Fairs, Trade Fairs, exhibitions, ISO 9 000 Forum Seminar, various conferences and symposia.

Standards Update Scheme, with an annual subscription of Rs 25 000, continued to operate for the enrolled members, who are entitled to receive one copy each of all the new and revised standards published during the year. Besides, they are also entitled to get free copies of *Standards India*, Standards Monthly Additions, Standards Worldover : Monthly Additions, Current Published Information on Standardization, a set of sectional lists, and BIS Annual Report. They are also allowed access to the Library at Headquarters and Regional Offices.

The Bureau also introduced Standards Update Scheme in Specific Fields from 1 October 1993, with an annual subscription of Rs 4 000 for each field except for Management and Systems for which it is Rs 1 500.

उपभोक्ता संरक्षण

ब्यूरो ने आम उपभोक्ताओं और उनको संस्थाओं के साथ अपनी गतिविधियों के माध्यम से उपभोक्ता कल्याण को बढावा देने की भूमिका के बारे में अधिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए उनके साथ घनिष्ठ रूप से सहयोग करना जारी रखा। भामा ब्यूरो के अधिकारियों ने उपभोक्ता संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों में व्याख्यान दिये और प्रदर्शनियों में भाग लिया तथा **दूरदर्शन केन्द्र** द्वारा प्रसारित चैनल विचार–विर्मशों और साक्षात्कारों में भाग लिया। भामा ब्यूरो ने सेन्ट्रल कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन कांउसिल की बैठकों में भी भाग लिया । यह देश में आम उपभोक्ता को संरक्षण प्रदान करने के प्रयासों को समन्वित करने वाला शीषर्स्थ प्राधिकरण है । ब्यूरो की 11वीं बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार उपभोक्ता नीति परामर्श समिति के गठन के लिए कार्यवाही की जा रही है। यह समिति मानकीकरण और प्रमाणन गतिविधि को उपभोक्ताओं के अधिक अनुकूल बनाने के लिए कार्यकलापों को अधिक दक्षतापूर्णढ़ग से निभाने से सम्बद्ध सभी नीतिगत मामलों पर भामा ब्यूरो को परामर्श देगी ।

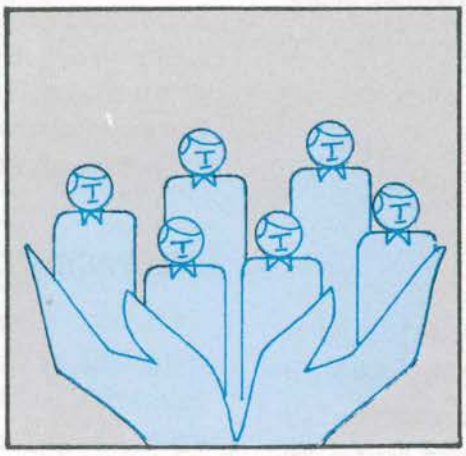

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय मानक "ब्यूरो उपभोक्ता संस्थाओं को मान्यता देने" संबंधी नियम 1991 के अन्तर्गत आवेदनों के प्रक्रमण से सम्बद्ध पद्धतियाँ निर्धारित की गयीं और 1993–94 के दौरान एक संगठन को मान्यता प्रदान की गयी ।

भामा ब्यूरो की गतिविधियों के बारे में उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम के मापदण्ड (माड्यूल) तैयार किये गये । विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । उपभोक्ता शिक्षा के ब्यूरो के अभियान के रूप में एक में एक पुस्तिका, जिसका शीर्षक "बीआईएस एण्ड चाइल्ड केयरहै प्रकाशित की गयी ।

उपभोक्ताओं से आईएसआई मुहर लगे उत्पादों के बारे में प्राप्त शिकायतों की कम्प्यूटरों द्वारा मानीटरी की गयी । उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं का अधिक दक्षता और उत्तरदायित्व पूर्ण ढ़ग से ध्यान रखने के लिए सार्वजनिक शिकायत निपटान मशीनरी को पुनः संगठित किया गया ।

CONSUMER PROTECTION

The Bureau continued to interact intensively with common consumers and their associations, for creating greater awareness amongst them regarding the role of BIS in promoting consumer welfare through its activities. BIS officers delivered talks in various Seminars organized by consumer organizations and also participated in exhibitions, panel discussions and interviews televised by ***Doordarshan Kendras.*** BIS participated in the meetings of the Central Consumer Protection Council, the apex authority coordinating the efforts of providing protection to common consumers in the country.

In accordance with the decision of the 11th Meeting of the Bureau, steps have been taken to constitute a Consumer Policy Advisory Committee to advise BIS on all policy matters relating to efficient discharge of its functions for making standardization and certification activities user friendly.

Procedures for processing of applications for granting recognition under the Bureau of Indian Standards `Recognition of Consumers' Association Rules, 1991 notified by the Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, were framed and one consumer organization was granted recognition during 1993-94.

To apprise representatives of consumer organizations about BIS activities, a Module for Awareness programme was developed. To celebrate the occasion of World Consumer Rights Day, an awareness programme for representatives of consumer organizations was organized. As part of the Bureau's drive in consumer education, a booklet titled `BIS and Kitchen Care' was brought out.

Complaints regarding ISI-marked products, received from consumers, continued to draw computer close attention. The Public Grievance Redressal Machinery has also been reorganized and strengthened to make it more efficient and responsive to consumer's needs.

अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां

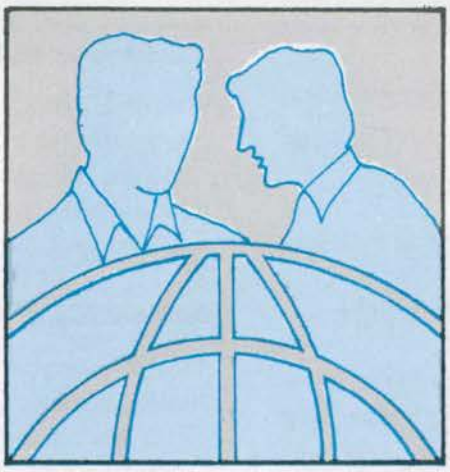

भामा ब्यूरो ने अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) और अंतर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी) की विभिन्न तकनीकी और नीति निर्धारण में लगी समितियों की कार्यवाही में भाग लेना जारी रखा । ब्यूरो ने अन्य राष्ट्रीय मानक निकायों और यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षी सम्बंधों को सुदृढ बनाने के लिये भी प्रयास किये।

अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ)

आईएसओ (डेवको) की डवलपमेंट कमेटी की बैठकें, आईएसओ कन्जयूमर पालिसी की समिति (कोपालको) की बैठकें और "दुघर्टना निवारण और सुरक्षा बढ़ाना –मानकीकरण की भूमिका" पर कार्यशाला जेनेवा में 26–30 अप्रैल 1993 में हुई जिसमें दो–सदस्यीय दल ने भाग लिया और इसका प्रतिनिधित्व ले. जन.ए.एस.भुल्लर, पूर्व महानिदेशक भा.मा.ब्यूरो और प्रोफेसर मनुभाई शाह, प्रबंध ट्रस्टी, उपभोक्ता एवं शिक्षा अनुसंधान केन्द्र, अहमदाबाद केन्द्र, ने किया ।

आईएसओ के दक्षिण एशिया और ईरान क्षेत्र (एस ए आईआर) के क्षेत्रीय सम्पर्क अधिकारियों की 16 वीं बैठक 25 अप्रैल 1993 को जेनेवा में हुई, जिसमें ले. जन. एस.भुल्लर ने भाग लिया ।

श्री पी. बैजाल, संयुक्त सचिव, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और श्री. ए.आर. बैनर्जी, निदेशक, भामा ब्यूरो के एक दो–सदस्यीय दल ने 22–24 नवम्बर 1993 के दौरान जेनेवा में हुई आईएसओ परिषद और महासभा की 47 वीं बैठक में भाग लिया । परिषद की बैठक के दौरान लिए गए मुख्य निर्णयों में, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्धारण में लगने वाले समय को कम करके तीन वर्ष करना, आईएसओ तंत्र में परिवर्तनों को स्वीकार करना" विकास शील देशों को दृष्टि में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाना प्रारम्भ करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धातों का विकास और गुणता पद्धति मूल्यांकन की मान्यता (क्यूएसआर) संबंधी तदर्थ समूह स्थापित करना शामिल थे ।

भारत (भामाब्यूरो) को 1994–95 की अवधि के लिए परिषद् के छः सदस्यों में से एक सदस्य के रूप में चुना गया।

भारतीय दल ने भाड़ा धारक घरेलू और समान साधित्रों की सुरक्षा, साइकिल, कुंडलनयातार, तस्त्र, कॉफी और गुणता प्रबंध और गुणता आश्वासन सम्बंधी आईएसओ तकनीकी समितियों/उप–समिति की बैठकों में भाग लिया ।

अंतर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी)

श्री जे.एस. राजू, महानिदेशक,मानकीकरण, परीक्षण और गुणता नियंत्रण (एसटीक्यूसी) इलैक्ट्रानिकी विभाग (डीओई), श्री चंद्रशेखर, मुख्य कार्य पालक, राष्ट्रीय पर्यवेक्षण निरीक्षणालय (एनएसआई), एसटीक्यूसी, डीओई और श्री वाई.एस. आर्य,संयुक्त निदेशक, भामाब्यूरो के भारतीय दल ने इटली में 6–13 मई 1993 के दौरान हुई आईई सी क्यू प्रमाणन प्रबंध समिति (सीएससी) और निरीक्षणालय समन्वयन समिति (आईसीसी) की बैठकों में भाग लिया । इस बैठक में भारत की स्थिति प्रमाणन निकाय के रूप मे बनाये रखने का निर्णय लिया गया। संयोजक, रेडियो फ्रीक्वेंसी केबल, क्वार्टज

INTERNATIONAL ACTIVITIES

The Bureau continued to participate in the various technical and policy making committees of the International Organization for Standardization (ISO) and International Electrotechnical Commission (IEC). It also made efforts for further strengthening the bilateral relations with other national standards bodies and the European Union.

INTERNATIONAL ORGANIZATION FOR STANDARDIZATION (ISO)

The meetings of the Development Committee of ISO (DEVCO), ISO Committee for Consumer Policy (COPOLCO) meetings and Workshop on `Preventive Accidents and Promoting Safety - The Role of Standardization' held at Geneva during 26-30 April 1993 were attended by a two-member Indian delegation led by Lieut Gen A.S. Bhullar, former Director General, BIS and Prof. Manubhai Shah, Managing Trustee, Consumer & Education Research Centre, Ahmadabad.

The 16th meeting of Regional Liaison Officer of ISO for South Asia and Iran Region (SAIR) held at Geneva on 25 April 1993 was attended by Lieut Gen A.S. Bhullar.

A two-member Indian delegation comprising Shri P. Baijal, Joint Secretary, Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution and Shri A.R. Banerjee, Director, BIS, attended the 47th meeting of ISO Council and General Assembly held at Geneva during 22-24 November 1993. The salient decisions arrived at during the Council meeting include shortening of total time taken for formulation of International standards to three years, accepting the changes in the governance structure of ISO, development of guidelines for initiating the establishment of international standards needed by developing countries and setting up of Ad-hoc Group on Quality System Assessment Recognition (QSAR).

India (BIS) was elected as one of the six Council members for a new term, 1994-95.

Indian delegations participated in selected ISO technical committees/ sub-committee meetings dealing with freight containers, safety of household and similar appliances, cycles, winding wires, textile, coffee and quality management and quality assurance.

INTERNATIONAL ELECTROTECHNICAL COMMISSION (IEC)

An Indian delegation comprising Shri J.S. Raju, Director General, Directorate for Standardization, Testing & Quality Control (STQC), Department of Electronics (DOE); Shri Chandrasekhar, Chief Executive, National Supervisory Inspectorate (NSI), STQC, DOE and Shri Y.S. Arya, Joint Director, BIS participated in the meeting of IECQ Certification Management Committee (CMC) and Inspectorate Coordinating Committee (ICC) held at Italy during 6-13 May 1993. It was decided during the meeting to maintain the status of India as a

क्रिस्टल ओप्टो इलैक्ट्रानिक युक्तियाँ, ट्रान्सफार्मर और इन्डक्टर (क्षमता अनुमोदन के अन्तर्गत) के अतिरिक्त क्षेत्रों को मानकीकरण में शामिल करने की भारतीय प्रस्ताव को भी स्वीकार किया गया।

आईईसीईई बैठकों और कुछ तकनीकी समितियों तथा उप–समितियों की बैठक सहित 57वीं महा बैठक 1–12 नवम्बर 1993 को सिडनी, आस्ट्रेलिया में हुई । इन बैठकों में श्री पी. एस.दास, अपरमहानिदेशक, भामाब्यूरो ने भाग लिया।

श्री ए. एस.सूद संयुक्त निदेशक, एनटीक्यूसी ने आईईसीईई की बैठकों में भाग लिया।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम)- एसएमक्यूसी सहयोग

गुट निरपेक्ष आंदोलन के नाम समन्वयन कर्ता देशों की 12 वीं बैठक तथा मानकीकारण मापन और गुणता नियंत्रण (एसएमक्यूसी) के क्षेत्र में गुट निरपेक्ष आंदोलन विशेषज्ञ समूह की 6 वीं बैठक 17–21 जनवरी को कोलम्बो, श्रीलंका में हुई जिसमें दस–सदस्यीय भारतीय दल ने भाग लिया जिसका नेतृत्व श्री एन.एस.चौधरी महानिदेशक, भामाब्यूरो ने किया । इसमें भामाब्यूरो, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला मानकीकरण, परीक्षण और गुणता नियंत्रण निदेशालय, इलैक्ट्रानिकी विभाग और तोल और माप निदेशालय के प्रतिनिधि थें।

भारतीय यूरोपीय आर्थिक समुदाय (ईईसी) सहयोग कार्यक्रम

भारतीय–ईईसी कार्यकारी समूह की बैठक 10–11 मई 1993 को नई दिल्ली में हुई, मोटर गाड़ी के घटकों, संसाधित खाद्य उत्पादों, बिजली के घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिये परियोजना प्रस्तावों को पारस्परिक सहमति वाले शेड्यूल के अनुसार जारी रखने पर सहमति हुई।

द्विपक्षीय सहयोग

भामाब्यूरो ने डीआईएन, जर्मनी के राष्ट्रीय मानक निकाय के साथ (समझौता ज्ञापन एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किये । मानकीकरण, गुणता आश्वासन अनुरूपता परीक्षण, सूचना और विशेषज्ञों के विनिमय तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में भामाब्यूरो और टर्किश स्टैण्डर्डसइं स्टीटयूशन (टीएसई)के बीच सहयोग के करार पर 19 नवम्बर 1993 को हस्ताक्षर किये गये ।

परिसंवाद

भामाब्यूरो में अंर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) और कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इन्डस्ट्री (सीसीआई) के सहयोग से 3–4 फरवरी को नई दिल्ली में आईएसओ 9000 फोरम–अनुप्रयोग परिसंवाद आयोजित किया। इस परिसंवाद द्वारा भारतीय उद्योग को गुणता के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रशिक्षित विशेषज्ञों के साथ परस्पर सहयोग करने के प्रचुर अवसर मिले। परिसंवाद के बाद 5फरवरी 1994 को गुणता आश्वासन और गुणता प्रबंध पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई ।

certifying body. The Indian proposal to cover additional areas for standardization, such as connectors, radio frequency cables, quartz crystals, opto-electronic devices, transformer and industors (under capability approval) was also accepted.

The 57th IEC General Meetings alongwith IECEE meetings and the meetings of a few technical committees and sub-committees were held during 1-12 November 1993 at Sydney, Australia. The meetings were attended by Shri P.S. Das, Additional Director General, BIS. Shri A.S. Sood, Joint Director, STQC attended IECEE meetings.

NAM-SMQC COOPERATION

The 12th meeting of NAM Coordinating Countries and 6th meeting of NAM Experts Group in the sphere of Standardization, Measurement and Quality Control (SMQC) held during 17-21 January 1994 at Colombo, Sri Lanka, were attended by a ten-member Indian delegation led by Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS and comprising delegates from BIS, the National Physical Laboratory, the Directorate of Standardization, Testing and Quality Control, Department of Electronics, and the Directorate of Weights and Measures.

INDO-EEC COOPERATION PROGRAMME

The meeting of the Indo-EEC Working Group was held in New Delhi during 10-11 May 1993. The continuation of the project proposals for modernization and upgradation of laboratories in the areas of automotive components, processed food products, and domestic electrical appliances was agreed in accordance with the schedule mutually agreed in the Working Group meeting.

BILATERAL COOPERATION

BIS signed a MOU with DIN, the National Standards Body of Germany. A cooperation agreement in the field of standardization, quality assurance, conformance testing, exchange of information and experts and training was signed between BIS and Turkish Standards Institution (TSE) on 19 November 1993.

SYMPOSIUM

BIS organized `ISO 9000 Forum Application Symposium' during 3-4 February 1994 in New Delhi in collaboration with International Organization for Standardization (ISO) and Confederation of Indian Industry (CII). The Symposium provided Indian Industry an ample opportunity to interact with experts of international repute in the area of quality management systems. A special workshop on `Quality Assurance and Quality Management Systems' followed the Symposium on 5 February 1994.

मानव संसाधन विकास

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

31 मार्च 1994 तक भामाब्यूरो में कुल 2338 व्यक्ति नियुक्त थे। ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों में कार्मिकों का नियोजन का विवरण निम्नलिखित है :-

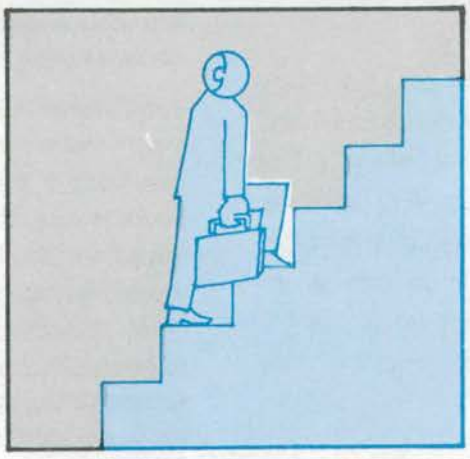

As on 31 March 1994, a total of 2 338 persons were employed in BIS. The deployment of these personnel in the various activities of the Bureau are given below:

गतिविधि		Activity	31 मार्च 1994 को कार्मिकों का नियोजन Deployment of Personnel as on 31 March 1994
क) मानकीकरण (मानकों का निर्धारण, प्रकाशन, बिक्री और वितरण और अन्य प्रकाशन)	a)	Standardization (formulation, , publication sales and distribution of standards and other publications)	535
ख) प्रमाणन और गुणता पद्धति	b)	Certification and quality systems	803
ग) प्रयोगशालाएँ	c)	Laboratories	367
घ) संवर्धनात्मक गतिविधियाँ (मानक संवर्धन सांख्यिकीय गुणता, तकनीकी सूचना और कम्प्यूटर सेवाएँ)	d)	Promotional activities(standards promotion, statistical quality, technical information and computer services)	100
ड़) सहायसी सेवाएँ (कार्मिक प्रबन्ध, लेखा, सामान्य) सेवाएँ, भवन रखखाव और सुरक्षा,	e)	Support services (personnel management, accounts, general services, building maintenance and security)	533
		कुल Total	2 338

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का प्रतिनिधान

वर्ष के अंत में विभिन्न संवर्गों के पदो पर अनु.जाति/अनु.जनजाति की जनशक्ति405 थी और पिछले वर्ष यह 401 थी। इस वर्ष के लिए इसका समूहवार वियोजन नीचे दिया गया है :-

SC/ST REPRESENTATION

The strength of SC/ST in various categories of posts was 405 at the close of the year as against 401 in the previous year. The groupwise break-up for the year is given below:

समूह	Group	31 मार्च 1994 को अनु. जा./अनु.ज. जाति के कर्मचारियों की संख्या No. of SC/STs as on as on 31 March 1994	31 मार्च 1994 को अनु. जा./अनु.ज. जाति के कर्मचारियों की संख्या No. of SC/STs as on 31 March 1993
क	A	62	62
ख	B	25	23
ग	C	154	147
घ (सफाई कर्मचारियों का छोड़कर)	D (excluding *Safai*	120	126
सफाई कर्मचारी	*Karamchari) Safai Karamchari*	44	43
कुल Total		405	401

कर्मचारी कल्याण

भामा ब्यूरो ने अपने कर्मचारियों के कल्याण के उपाय जारी रखें। कर्मचारी के मनोविनोद

STAFF WELFARE

Measures of welfare were continued. A holiday home for recreation

के लिए पूर्वी क्षेत्र में एक और होलीडे होम खोला गया। कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को स्वच्छ वातावरण में तैयार चाय, काफी, अल्पहार और लंच देने के लिए मुख्यालय की कैंटीन में काफी सुधार किया गया ।

सरकार द्वारा शुरू किये गये परिवार कल्याण कार्यक्रमों को कार्यान्वित किया गया तथा कर्मचारियों को नकद और अन्य प्रोत्साहन दिये गये। सेवा के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी प्रदान की गई। गंभीर रूप से बीमार कर्मचारियों को वित्तीय सहायता स्टाफ कल्याण निधि से प्रदान की गई। स्पोर्ट्स क्लब को अनुदान और सुविधाएँ प्रदानकी गईं। अन्य कल्याणकारी उपायों में उपभोक्ता सहकारी आवास निर्माण (ब्याज में छूट) ऋण योजना और प्रयोगशाला और खतरनाक पर्यावरण/कार्यकारी अवस्थाओं में काम करने वाले तथा नकद ले जाने वाले कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत दुर्घटना समूह बीमा योजना शामिल हैं।

सुझाव योजना

ब्यूरो की गतिविधियों से यहाँ के सभी कर्मचारियों को जोड़ने, उनकी सहभागिता बढाने और वास्तविक कार्य के दौरान उनके अनुभवों को जानने के लिए सुझाव योजना चलाई जा रही है।

प्रशिक्षण

वर्ष 1993-94 के दौरान ब्यूरो ने अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों में निरन्तर तीव्र प्रगति की ।

वर्ष 1993.94 के दौरान सभी स्तर के कर्मचारियों के लिए 43 इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वित किये गये जिनमें 791 कार्मिकों ने भाग लिया और इनमें 6047 श्रम दिवस लगे।

ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए इन–हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा विभिन्न बाहरी अभिकरणों द्वारा आयोजित अलग–अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ, इन विशिष्ट कार्यक्रमों में भामाब्यूरो के अधिकारियों और स्टाफ को भेज कर लाभ उठाया गया। यह ब्यूरो के कार्य के लिए महत्वपूर्ण गतिविधि रही और वर्ष के दौरान 559 श्रम दिवसों को शामिल करते हुए 70 विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 146 अधिकारियों को नामित किया गया।

बाहरी संगठनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

विकासशील देशों के लिए मानकीकरण और गुणता पद्धति में छब्बीसवां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 अक्तूबर से 3 दिसम्बर 93 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका, लेटिन अमेरिका और यूरोप के 18 विकासशील देशों के 23 सहभगियों ने भाग लिया । ये सभी सहभागी भारत सरकार की फैलोशिप योजनाओं अर्थात् कोलम्बो योजना, विशेष कोमनवेल्थ एफ्रिकन सहायता योजना (एससीएएपी) और भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक) के अंतर्गत आये थे । 2 देशों के 3 प्रशिक्षणार्थियों के लिए नई दिल्ली में मानकीकरण, गुणता आश्वासन और परीक्षण पर तीन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये गये ।

रेलवे स्टाफ कालेज, वड़ोदरा के अनुरोध पर 21–25 फरवरी 1994के दौरान भारतीय

of employees in the Eastern region at Gangtok was opened. Lot of improvements were made in the canteen at Headquarters for serving hygenically prepared tea, coffee, snacks and lunch to the staff members working in the office.

Family Welfare Programmes introduced by the Government were implemented and employees were given cash and other incentives. Dependents of three employees who died while in service were provided employment on compassionate ground. Financial assistance was granted through Staff Welfare Fund to needy staff members on account of serious illness. Sports Clubs were given grants-in-aid and other facilities. Other welfare measure included provision of consumer cooperative, house building (interest subsidy) Loan Scheme, Personal Accident Group Insurance Scheme for employees working in laboratories and others exposed to hazardous environments/working conditions as well as those carrying cash.

SUGGESTION SCHEME

A Suggestion Scheme is under operation, with a view to foster close involvement and participation of all BIS employees in its activities and also to draw upon their experience of actual working.

TRAINING

Bureau continued to make steady progress in its training activities during the year 1993-94. A total of 43 In-house Training Programmes were organized/coordinated during 1993-94 for 791 personnel and for 6 047 man-days, covering all levels of employees.

Besides the In-house Training Programmes for officers and staff of the Bureau, the advantage was continuously taken of the various training programmes organized by different outside agencies by deputing officers and staff of BIS in these specialized programmes. This activity continued to be of great relevance to the work of the Bureau and during the year 146 officers were deputed to attend 70 different programmes covering 559 man-days.

TRAINING PROGRAMME FOR OUTSIDE ORGANIZATIONS

The Twenty-sixth International Training Programme in Standardization and Quality Systems for Developing Countries was organized from 6 October to 3 December 1993. This Programme was attended by 23 participants from 18 different developing countries of Asia, Africa, Latin America and Europe. All the participants were under the Government of India fellowship schemes namely, Colombo Plan, Special Commonwealth African Assistance Plan (SCAAP) and Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC). Three specialized training programmes in standardization, quality assurance and testing were also organized in New Delhi for 3 trainees from 2 countries.

At the request of the Railway Staff College, Vadodara, a five days

रेलवे स्टोर सेवाओं के परिक्षकों के लिए मानकीकारण में पांच दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इसी तरह मानकीकरण निदेशालय, रक्षा मंत्रालय के 16 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 21–23 अप्रैल 93 के दौरान मानकीकरण में रिफ्रेशर कोर्स आयोजत किया गया। सम्बद्ध संगठनों से परामर्श के बाद कार्यक्रम अनुसूची को अंतिम रूप दिया गया ।

Training Programme in Standardization for probationers of Indian Railway Store Services was organized from 21-25 February 1994. Similarly, a Refresher Course in Standardization was organized for their 16 Senior Officers of the Directorate of Standardization, Ministry of Defence, from 21-23 April 1993. The programme schedule was finalized in consultation with the concerned organizations.

तालिका 3 वर्ष 1993-94 के दौरान महत्वपूर्ण इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम

TABLE 3 IMPORTANT IN-HOUSE TRAINING PROGRAMMES DURING 1993-94

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	Name of Training Programme	भाग लेने वालों की संख्या No. of Participants	अवधि Duration
गुणता मण्डल प्रशिक्षण कार्यक्रम	Training Programme on Quality Circles	81	1 दिन day
आंतरिक गुणता सम्परीक्षा	Training Programme on Internal Quality Audits	13	2 दिन days
आंतरिक गुणता सम्परीक्षा–प्रशिक्षुओं के कार्यक्रम का प्रशिक्षण	Training of Trainers Programme for Internal Quality Audit	20	2 दिन days
प्रबंध, कार्यालय प्रबंध, आत्मविकास और गुणता मण्डल में परिचय के लिए पक्षेका के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	Training Programme for WRO employees on Introduction to Management, Office Management, Self Improvement and Quality Circles	150	1 दिन day
हैदराबाद शाखा कार्यालय में पर्सनल कम्प्यूटर में बिगिनर्स कोर्स	Beginners Course in Personal Computers at Hyderabad Branch Office		
– अधिकारियों के लिए	- for officers	10	84 घंटे hours
– स्टाफ के लिए	- for staff	10	42 घंटे hours
9 कम्प्यूटर सोफ्टवेयरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूनीसेफ के अन्तर्गत)	Training Programmes on 9 Computer Softwares (under UNICEF Project)	24	186 घंटे hours
अग्नि शमन पर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम	Awareness Training Programme on Fire Fighting	173	4 घंटे hours
सोफ्टवेयर टूल लेवल 5 आबजेक्ट पर प्रशिक्षण	Training on Software Tool Level 5 object	10	3 दिन days
डीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम	DTP Training Programme		
– अधिकारियों के लिए	- for officers	10	42 घंटे hours
– स्टाफ के लिए	- for staff	10	42 घंटे hours
वर्ल्ड स्टार 6 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	Training Programme on Word Star 6	20	2 दिन days
पर्सनल कम्प्यूटर पर बिगेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम	Beginners Training Programme on Personal Computer		
– अधिकारियों के लिए	- for officers	20	84 घंटे hours
– स्टाफ के लिए	- for staff	20	42 घंटे hours
फोटोकोपियर के प्रचालन पर प्रशिक्षण	Training Workshop on Operation of Photocopier	5	1 दिन day
सहायक निदेशकों के 18 वें बेच के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण सहित परिचय कार्यक्रम	Introduction Training Programme for 18th batch of Assistant Directors including Computer Training	17	7 सप्ताह weeks
स्टाइल मैनुअल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	Training Programme on Style	25	12 1/2 घंटे hours
हिन्दी कार्यशाला	Hindi Workshop	245	4 दिन days
कीटनाशी विश्लेषण की उपकरण पद्धति में विकसित प्रशिक्षण	Advanced Training in Instrumentation Method of Analysis of Pesticides	11	2 सप्ताह weeks

वित्त, लेखा परीक्षा और लेखा

ब्यूरो लगातार पांचवे वर्ष भी अपने गैर–योजना व्यय को वहन करने के लिए आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा।

राजस्व (गैर-योजना)

इस वर्ष की कुल आय रू 33.34 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की आय से 37.7 प्रतिशत अधिक थी। इस आय में सबसे अधिक योगदान प्रमाणन शुल्क का रहा जो रू 29.701 करोड़ था जबकि पिछले वर्ष यह रू 21.88 करोड था । इस वर्ष रू० 24.21 करोड था, जबकि वर्ष 1992-93 के दौरान खर्च रू० 21.63 करोड़ था इस तरह से खर्च में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस खर्च में पूँजी परिसपत्तियों पर रू 1.18 करोड के मूल्य ह्रास का प्रावधान भी शामिल है । कुल परिचालन अधिशेष रू 9.12 करोड़ रहा जो कि आय का 27.4 प्रतिशत है जबकि पिछले वर्ष का परिचालन अधिशेष 10.7 प्रतिशत ही था। विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि खाते में रू 0.5 करोड़ के विनियोजन के बाद निवल अधिशेष रू 8.62 करोड़ रहा।

पूंजी (योजनागत)

सरकार ने वार्षिक योजना 1993-94 के लिए रू 3.27 करोड़ आबंटित किये।

विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को देखते हुए सरकार ने रू 2.20 करोड़ का अनुदान दिया जो पिछले वर्ष के बिना खर्च किये हुए रू 1.07 करोड़ के अतिरिक्त था।

विश्व बैंक परियोजनाएं

31 मार्च 1994 तक प्राप्त कुल ऋण रू 1.40 करोड का था। इस वर्ष रू 0.22 करोड की राशि राजस्व सम्बंधी मदों और रू 0.05 करोड की राशि पूजीगत मदों पर खर्च की गयी।

ऋण

वर्ष के दौरान ब्यूरो ने अपने संसाधनों से कर्मचारियों को रू 0.32 करोड का वाहन ऋण दिया गया । गृह निर्माण ऋण (ब्याज सब्सिडी) योजना के अन्तर्गत 31 कर्मचारियों ने इस वर्ष इस सुविधा का लाभ उठाया और इस तरह इस योजना को आरम्भ करने से लेकर अब तक 190 कर्मचारी इस योजना का लाभ उठा चुके हैं।

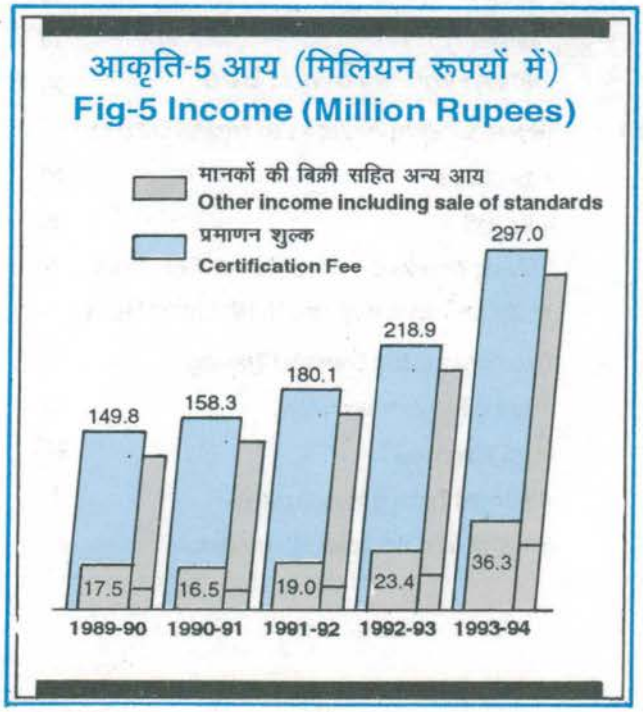

FINANCE, AUDIT AND ACCOUNTS

For the fifth consecutive year, the Bureau achieved the goal of self reliance in meeting its non-plan expenditure without any budgetary support from the Government of India.

REVENUE (NON-PLAN)

Total income generated during the year stood at Rs 333.4 million registering a growth of 37.7 percent over that achieved during the last year. The largest contributor was the BIS certification marking fee which stood at Rs 297.01 million against Rs 218.8 million during 1992-93. Expenditure during the year was Rs 242.1 million against Rs 216.3 million during 1992-93 depicting an increase of 12 percent. This expenditure also includes a provision for depreciation of Rs 11.8 million on capital assets. The operating surplus stood at Rs 91.2 million which is 27.4 percent of income as compared to 10.7 percent in the previous year. After appropriating Rs 5.0 million towards World Bank Loan Redemption Fund Account, net surplus stood at Rs 86.2 million.

CAPITAL (PLAN)

Government alloted Rs 32.7 million for Annual Plan 1993-94. Taking into account the progress of various projects, Government released Rs 22.0 million in addition to the unspent grant of Rs 10.7 million from the previous year.

WORLD BANK PROJECTS

The total loan received up to 31 March 1994 stood at Rs 14.0 million. A sum of Rs 2.2 million was spent on revenue items and Rs 0.5 million on Capital items.

LOAN

Conveyance loan of Rs 3.2 million was provided to employees out of Bureau's own resources during the year. Facility under the House Building Loan (Interest subsidy) Scheme, was availed by 31 employees during the year. Since this introduction of the scheme, 190 employees availed this facility.

31 मार्च 1994 का पक्का चिट्ठा
BALANCE SHEET AS ON 31 MARCH 1994

		अनुसूची SCHEDULE		चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94		पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1992-93
1.	**निधि के स्रोत SOURCE OF FUND**					
1.1	पूंजी निधि Capital Fund	एन N		265 930 330		155 146 738
1.2	रिजर्व और निधियाँ Reserves & Funds	ओ O		214 011 760		194 099 678
1.3	ऋण Loans	पी P		16 250 000		11 900 000
	योग TOTAL			**496 192 090**		**361 146 416**
2.	**निधियों का उपयोग APPLICATION OF FUNDS**					
2.1	अचल परिसम्पत्ति Fixed Assets	क्यू Q		100 684 087		84 183 642
2.2	निवेश Investments	आर R		316 304 600		210 424 032
3.	**कार्यकारी पूंजी WORKING CAPITAL**					
3.1	चल परिसम्पत्ति, ऋण और अग्रिम Current Assets, Loans & Advances	एस S	98 974 431		89 086 266	
3.2	नामे : चालू देयता Less:Current Liabilities	टी T	19 771 028		22 547 524	
				79 203 403		66 538 742
	योग TOTAL			**496 192 090**		**361 146 416**

टिप्पणी : NOTES :

1) अनुसूची ए से टी तक लेखे का भाग हैं।
2) भारतीय मानकों के क्लोजिंग स्टाक का मूल्य नहीं आंका गया है और लेखे में शामिल नहीं किया गया है।

1) Schedules A to T form part of Accounts
2) The closing stock of Indian Standards has not been valued and included in the accounts.

हस्ता./– Sd/-	हस्ता./– Sd/-	हस्ता./– Sd/-
(नरेन्द्र सिंह चौधरी) (N.S.CHOUDHARY)	(अरुणा भाटिया) (ARUNA BHATIA)	(एस.के.दत्ता) (S.K.DATTA)
महानिदेशक, भा.मा.ब्यूरो DIRECTOR GENERAL,BIS	उपमहानिदेशक वित्त, भ.मा.ब्यूरो DY DIRECTOR GENERAL FINANCE,BIS	निदेशक (वित्त), भा.मा.ब्यूरो DIRECTOR(FINANCE),BIS

31 मार्च 1994 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 1994

आय INCOME

	अनुसूची SCHEDULE	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1992-93
1. प्रमाणन शुल्क Certification Fees		297 049 885	218 787 149
2. मानकों की बिक्री Sale of Standards	ए A	24 432 345	16 592 063
3. अन्य आय Other Income	बी B	11 877 414	6 820 231
4. सरकारी अनुदान Govt. Grant		—	—
योग TOTAL		**333 359 644**	**242 199 443**

व्यय EXPENDITURE

1. वेतन और भत्ते Pay and Allowances	सी	C	132 143 554	121 098 662
2. सेवा निवृति लाभ Retirement Benefits	डी	D	9 887 505	736 762
3. अन्य स्टाफ लाभ Other Staff Benefits	ई	E	8 756 279	5 744 764
4. यात्रा व्यय Travelling Expenses	एफ	F	9 599 515	6 929 430
5. अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को चंदे Subscription to International Organizations	जी	G	10 136 047	10 889 018
6. उत्पादन Production	एच	H	6 033 983	6 134 371
7. परीक्षण Testing	आई	I	15 981 508	15 530 731
8. प्रचार Publicity	जे	J	13 69 471	2 054 127
9. कार्यालय व्यय Office Expenses	के	K	22 213 092	19 280 728
10. मरम्मत व रखरखाव Repairs & Maintenance	एल	L	6 162 514	5 556 679
11. अन्य व्यय Other Expenses	एम	M	5 847 329	5 363 507
12. विश्व बैंक परियोजना World Bank Project राजस्व व्यय Revenue Expenses	एम 1	M1	2 152 396	5 065 463
13. मूल्यह्रास Depreciation	क्यू	Q	11 831 289	11 936 679
योग TOTAL			**242 114 482**	**216 320 921**
अधिशेष/(घाटा) Surplus/(Deficit)			91 245 162	25 878 522

विनियोजन APPROPRIATIONS

निम्न को अंतरण : Transfer to :		
क) विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि A. World Bank Loan Redemption Fund	5 000 000	5 000 000
ख) पूँजीगत निधि B. Capital Fund	86 245 162	20 878 522
योग TOTAL	**91 245 162**	**25 878 522**

अनुसूची ए-मानकों की बिक्री SCHEDULE A – SALE OF STANDARDS

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1992-93
1. भारतीय मानक Indian Standards	23 433 855	15 501 013
2. परिकलन सहायकांग और बाइंडर Calculation Aids and Binders	31 045	18 580
3. विदेशी प्रकाशन (कमीशन) Overseas Publications (Commission)	967 445	1 072 470
योग TOTAL	**24 432 345**	**16 592 063**

अनुसूची बी–अन्य आय SCHEDULE B–OTHER INCOME

1. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा अंशदान CGHS Contribution	34 468	32 513
2. सम्मेलन, परामर्श और प्रशिक्षण शुल्क Conferences, Consultancy & Training Fees	125 031	509 704
3. आवास निर्माण ऋण से ब्याज Interest from House Bldg. Loan	662 720	361 110
4. विविध Miscellaneous		
क) अन्य स्रोत (खंड 18 (i) सी देखें) a) Other Sources (Refer Section 18 (i) (c)		
ख) अन्य b) Others	11 055 195	5 916 904
योग TOTAL	**11 877 414**	**6 820 231**

अनुसूची सी–वेतन और भत्ते SCHEDULE C–PAY AND ALOWANCES

1. योग PAY		
ब्यूरो के सदस्य (महानिदेशक को छोड़ कर) Members of the Bureau (Other than Director General)	—	—
महानिदेशक Director General	38 498	45 852
अधिकारी Officers	28 991 391	27 970 515
स्टाफ Staff	31 917 043	31 863 640
2. भत्ते ALLOWANCES		
ब्यूरो के सदस्य (महानिदेशक को छोडकर) Member of the Bureau (Other than Director General)	—	—
महानिदेशक Director General	96 358	109 524
अधिकारी Officers	29 953 913	26 144 042
स्टाफ Staff	41 146 351	34 965 089
योग TOTAL	**132 143 554**	**121 098 662**

अनुसूची डी-- सेवानिवृत्ति लाभ SCHEDULE D–RETIREMENT BENEFITS

अंशदान : Contributions to :		
1. भविष्य निधि Provident Fund	778 985	736 762
2. पेंशन निधि Pension Fund	9 108 520	—
3. ग्रेचयुटी निधि Gratuity Fund		—
योग TOTAL	**9 887 505**	**736 762**

अनुसूची ई-अन्य स्टाफ लाभ SCHEDULE E-OTHER STAFF BENEFITS

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREV. YEAR 1992-93
1. के. सरकार स्वा. से और अन्य चि. लाभ CGHS and other Medical Benefits	4 476 768	2 321 507
2. कर्मचारी कल्याण Staff Welfare	2 797 473	2 130 910
3. छुट्टी यात्रा रियायत Leave Travel Concession	1 482 038	1 292 347
योग TOTAL	**8 756 279**	**5 744 764**

अनुसूची एफ-यात्रा व्यय SCHEDULE F-TRAVELLING EXPENSES

1. विदेश Overseas	1 070 009	38 554
2. अधिकारी और स्टाफ Officers and Staff	8 415 423	6 748 964
3. समिति सदस्य Committee Members	114 083	141 912
योग TOTAL	**9 599 515**	**6 929 430**

अनुसूची जी-अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को चंदे SCHEDULE G-SUBS. TO INTERNATIONAL ORGANIZATIONS.

1. अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन International Standards Organization	6 026 809	6 427 675
2. अंतर्राष्ट्रीय विद्युत तक. आयोग International Electrotechnical Commission	4 109 238	4 461 343
योग TOTAL	**10 136 047**	**10 889 018**

अनुसूची एच-उत्पादन SCHEDULE H-PRODUCTION

1. मानक Standards	4 192 987	4 239 810
2. बुलेटिन Bulletin	632 074	675 604
3. परिकलन सहायकांग और बाइंडर Calculation Aids and Binders	0	0
4. अन्य प्रकाशन Other Publications	1 208 922	1 218 957
योग TOTAL	**6 033 983**	**6 134 371**

अनुसूची आई-परीक्षण SCHEDULE I -TESTING

1. बाहरी प्रयोगशालाओं को परीक्षण शुल्क का भुगतान Testing Fees Paid to Outside Labs.	12 210 619	11 700 350
2. प्रयोगशाला उपकरण और स्टोर का सामान Laboratory Apparatus and Stores	2 905 923	3 130 122
3. बाजार से खरीदे गए नमूने Market Samples	864 966	700 259
योग TOTAL	**15 981 508**	**15 530 731**

अनुसूची जे-प्रचार SCHEDULE J-PUBLICITY

1. प्रदर्शनी Exhibition	306 935	254 530
2. विज्ञापन Advertising	938 897	1 213 836
3. श्रव्य दृश्य और अन्य Audio Visuals and Others	123 639	585 761
योग TOTAL	**1 369 471**	**2 054 127**

अनुसूची के – कार्यालय व्यय SCHEDULE K–OFFICE EXPENSES

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREV. YEAR 1992-93
1. स्टेश्नरी Stationery	3 114 297	2 890 206
2. डाक व्यय Postage	2 031 336	1 923 816
3. टेलीफोन और टेलेक्स Telephone and Telex	3 722 567	3 101 569
4. भर्ती Recruitment	154 145	58 448
5. जलपान और मनोरंजन Refreshment and Entertainment	522 530	421 133
6. वर्दी Liveries	357 536	280 893
7. भाड़ा और ढुलाई Freight and Cartage	333 579	319 398
8. बीमा और बैंक प्रभार Insurance and Bank Charges	623 987	600 130
9. विविध Miscellaneous	1 109 932	685 188
10. किराया और कर Rent and Taxes	4 026 095	3 499 245
11. बिजली और पानी Electricity and Water	6 217 088	5 500 702
योग TOTAL	**22 213 092**	**19 280 728**

अनुसूची एल – मरम्मत और रखरखाव SCHEDULE L– REPAIRS AND MAINTENANCE

1. फर्नीचर Furniture and Equipment	790 479	849 177
2. भवन Building	4 614 208	4 063 625
3. वाहन Vehicles	757 827	643 877
योग TOTAL	**6 162 514**	**5 556 679**

अनुसूची एम – अन्य व्यय SCHEDULE M – OTHER EXPENSES

1. अनुसंधान और परामर्श Research and Consultation	5 000	---
2. सम्मेलन, परामर्श एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम Conferences, Consultancy and Training Programme	907 369	781 893
3. इलैक्ट्रानिकी आँकडा संसाधन Electronic Data Processing	1 466 242	1 419 759
4. पुस्तकालय चंदा और अन्य व्यय Library Subscription and Other Expenses	316 013	380 643
5. लेखा परीक्षा शुल्क और कानूनी कार्यवाही प्रभार Audit Fees and Legal Charges	395 108	260 743
6. स्टाफ प्रशिक्षण Staff Training	931 553	779 100
7. आवास निर्माण ऋण पर ब्याज/ब्याज पर छुट Interest/Interest Subsidy on House Building Loan	1 686 749	1 486 166
8. अन्य ऋणों पर ब्याज Interest on other Loans from		
क) केन्द्र सरकार—वाहन ऋण से a) Central Government - Towards Conveyance Loan	132 500	235 000
ख) अन्य स्रोतों से b) Other Sources	—	—
9. डुबत ऋण बट्टे खाते में डाला Bad Debts Written Off	6 795	20 203
योग TOTAL	**5 847 329**	**5 363 507**

भारतीय मानक ब्यूरो पुस्तकालय BUREAU OF INDIAN STANDARDS LIBRARY 3478/misc दिनांक Date 2002-11-15 NEW DELHI

अनुसूची एम 1 - विश्व बैंक परियोजना राजस्व व्यय SCHEDULE M1—WORLD BANK PROJECT REVENUE EXPENSES

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREV. YEAR 1992-93
1. परियोजना 1–मानकीकरण प्रबन्ध एवं मानक विकास Project 1 — Standardization Management & Standards Development	861 099	1 265 680
2. परियोजना 2–उत्पादों की गुणता का उन्नयन Project 2 — Upgrading Quality of Products	155 154	548 665
3. परियोजना 3–भा.मा.ब्यूरो प्रयोगशाला नेटवर्क का उन्नयन Project 3 — Upgrading BIS Lab network	665 061	818 233
4. परियोजना 4–भा.मा.ब्यूरो प्रशिक्षण गतिविधि को बढ़ाना Project 4 — Strengthening BIS Traning Activity	148 614	2 195 685 —
5. परियोजना 5–भा.मा. ब्यूरो के संवर्धनात्मक प्रयासों को बढ़ाना Project 5 — Strengthening BIS Promotional Efforts	19 261	—
6. परियोजना 6– निर्यात के लिए तकनीकी सहायता Project 6 —Technical Assistance to Exports	165 000	—
7. परियोजना 7– मानक सूचना केन्द्र Project 7 — Standards Information Centres	1 38 207	237 200
योग TOTAL	**2 152 396**	**5 065 463**

अनुसूची एन – पूँजीनिधि SCHEDULE N — CAPITAL FUND

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREV. YEAR 1992-93
पिछले पक्के चिट्ठे के अनुसार As per last Balance Sheet	155 146 738	131 136 812
जमा: Add:		
i) पूँजीकृत परिसंपत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' की क्रम सं. I देखें) Cost of assets capitalized (Refer Schedule 'O' Sl No.1)	24 413 361	3 132 945
iii) क्वासम निधि से पूँजीगत परिसम्पत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' का क्रम सं. ३ ए देखें) Cost of assets capitalized from QAWSM funds (Refer Schedule 'O' Sl No. 3a)	168 640	—
iv) व्यय से आय की अधिकता (आय तथा व्यय लेखें से अधिशेष अग्रानीत) Excess of income over expenditure (Surplus Carried over from Income and Expenditure Account)	86 245 162	20 878 522
योग TOTAL	**265 973 901**	**155 148 279**
नामे : Less:		
ii) बट्टे खाते में डाला पूँजीगत निवेश Capital investment written off	43 571	1 541
योग TOTAL	**265 930 330**	**155 146 738**

अनुसूची ओ - रिजर्व और निधियाँ SCHEDULE O - RESERVES AND FUNDS

क्रम सं. Sl No.	विवरण Particulars	अनुदान का स्रोत Source of Grant	1 अप्रैल 93 को स्थिति As on 1 April 93	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ समायोजना Receipts/Adjustments during the Year	वर्ष के दौरान उपयोग Utilization during the year			31 मार्च 94 को स्थिति As on 31 March 94
					पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
1.	**पूंजीकरण की प्रक्रिया में निधियां Funds in the process of Capitalization (परियोजना के नाम) (Name of the Projects)**							
	ए) प्रयोगशाला उपस्कर, कंप्यूटर तथा संबद्ध उपकरण निधिया a) Laboratory equipment,computer and associated equipment fund	नागरिक पूर्ति, उ,मा व सा. वितरण मंत्रालय Ministry of Civil Supplies,CA&PD	11 180 121	9 998 000	6 999 700	—	6 999 700	14 178 421
	बी) कलकत्ता प्रयोगशाला–सह–कार्यालय भवन निधि b) Calcutta Lab-cum-Office building fund	वही -do-	807 418	—	—	—	0	807 418
	सी) एस एण्ड टी परियोजना निधि c) S & T Project fund	वही -do-	421 601	695 313	—	522 507	522 507	594 407
	डी) हैंडबुक परियोजना निधि का विकास d) Development of hand book project fund		—2 944	3 000	—	—	—	56
	ई) स्टाफ आवास परियोजना e) Staff Housing Project	वही -do-	6 406 230	10 632 000	17 037 916	—	17 037 916	314
	एफ) मद्रास भवन निधि f) Madras building fund		587 454	—	—34 582	—	—34 582	622 036
	जी) गैट परियोजना निधि g) GATT project fund	वही -do-	250 000	680 000	—	205 485	205 485	724 515
	एच) मुख्यालय भवन का विस्तार h) Extention of HQ building		756 038	309 000	410 327	—	410 327	654 711
	आई) प्रयोगशाला भवन लखनऊ i) Lab. building Lucknow		1 900 000	—	—	—	—	1 900 000
	योग TOTAL		22 305 918	22 317 313	24 413 361	727 992	25 141 353	19 481 878

(क्रमश... Contd...)

क्रम सं. विवरण Sl No. Particulars	अनुदान का स्रोत Source of Grant	1 अप्रैल 93 को स्थिति As on 1 April 93	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ समायोजना Receipts/Adjustments during the Year	वर्ष के दौरान उपयोग Utilization during the year			31 मार्च 94 को स्थिति As on 31 March 94
				पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
2 कर्मचारी निधियां Employee Funds							
ए) ग्रेच्युटी निधि a) Gratuity fund	—	313 418	161 231	—	112 860	112 860	361 789
बी) हितकारी निधि b) Benevolent fund	—	381 308	202 024	—	250 050	250 050	333 282
सी) पेंशन निधि c) Pension fund	—	21 849 248	11 834 430	—	15 341 910	15 341 910	18 341 768
डी) सा. भ. निधि d) G.P.Fund	—	127 370 457	39 997 473	—	19 471 140	19 471 140	147 896 790
ई) अंश भ. निधि e) C.P.Fund	—	4 177 524	976 269	—	1 061 252	1 061 252	4 092 541
TOTAL योग		154 091 955	53 171 427	0	36 237 212	36 237 212	171 026 170
3 अन्य विशेष परियोजनाएं **Other Specific Projects**							
ए) क्वसाम a) QAWSM	कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) Ministry of Agriculture (Deptt. of Rural Development)	820 361	—	168 640	685 242	853 882	–33 521
बी) ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम (विद्युत विभाग) b) Energy Conservation Awareness Programme (Deptt. of Power)	ऊर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग) Ministry of Energy (Deptt. of Power)	11 769	—	—		—	11 769
सी) उपभोक्ता संरक्षण प्रदर्शनी c) Consumer Protection Exibition	नागरिक पूर्ति, उ,मा व सा. वितरण मंत्रालय Ministry of Civil Supplies, CA&PD	–	112 825	—	112 036	112 036	789
डी) विश्व बैंक प्रतिदान निधि d) World Bank Loan Redemption Fund	–	16 869 675	6 655 000	—	—	—	23 524 675
योग TOTAL		**17 701 805**	**6 767 825**	**168 640**	**797 278**	**965 918**	**23 503 712**
महायोग GRAND TOTAL		**194 099 678**	**82 256 565**	**24 582 001**	**37 762 482**	**62 344 483**	**214 011 760**

अनुसूची पी-ऋण SCHEDULE P - LOANS

ऋण की प्रकृति Nature of Loan	31 मार्च 93 को स्थिति As on 31 March 93	1993-94 के दौरान During 1993-94		31 मार्च 94 को शेष Balance on 31 March 94
		प्राप्तियाँ Receipts	पुनर्भुगतान Repayments	
I) भारत सरकार से प्राप्त ऋण Loans from Govt. of India				
1. वाहन ऋण Conveyance loan	1 850 000	—	1 000 000	850 000
2. आवास निर्माण ऋण House Building Loan	3 050 000	—	1 650 000	1400 000
Total योग	4 900 000	—	2 650 000	2 250 000
II) अन्य स्रोतों से प्राप्त ऋण Loans from other sources				
1. विश्व बैंक World Bank	7 000 000	7 000 000	—	14 000 000
योग Total	7 000 000	7 000 000	—	14 000 000
महायोग Grand Total	1 1900 000	7 000 000	2 650 000	16 250 000

अनुसूची क्यू-स्थिर परिसंपत्तियाँ SCHEDULE Q- FIXED ASSESTS

क्रम सं / Sl No	विवरण / Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at cost: 31 मार्च 93 को स्थिति / As at 31 March 93	जमा / Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते / Deduction Sale/ written off	31 मार्च 94 को स्थिति / As at 31 March 94	मूल्य ह्रास Depriciation: 31 मार्च 93 तक / Up to 31 March 93	जमा / Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते / Deduction Sale/ Written off	31 मार्च 94 तक / Upto 31 March 94	नेट ब्लॉक Net Block: 31 मार्च 94 को स्थिति / As at 31 March 94	31 मार्च 93 की स्थिति / As at 31 March 93
1.	भवन–मुख्यालय Building—Headquarters	4 921 703	—	—	4 921 703	3 308 888	78 773	—	3 387 661	1 534 042	1 612 815
2.	भवन–I मद्रास Building — I Madras	11 33 556	—	—	1 133 556	562 711	28 786	—	591 497	542 059	570 845
3.	भवन– II मद्रास Building— II Madras	82 12 527	—	34 582	8 177 945	877 701	401 607	—	1 279 308	6 898 637	7 334 826
4.	साहिबाबाद में केन्द्रीय प्रयोगशाला भवन Building—Central laboratotry at Sahibabad	14 365 960	—	—	14 365 960	4 374 627	568 756	—	4 943 383	9 422 577	9 991 333
5.	भवन बंबई Building—Bombay	5 274 900	—	—	5 274 900	2 351 906	145 276	—	2 497 182	2 777 718	2 922 994
6.	भवन–I कलकता Building—I Calcutta	3 112 635	—	—	3 112 635	1 443 986	86 297	—	1 530 283	1 582 352	1 668 649
7.	भवन–II कलकता (डब्ल्यु आई पी पूंजी) Building—II Calcutta (Capital WIP)	8 606 676	—	—	8 606 676	—	4 671 186	—	4 671 186	8 139 490	86 066 76
8.	रिहायेशी फलैट Residential flats	7 620 351	17 037 916	—	24 658 267	1 440 855	315 444	—	1 756 299	22 901 968	6 179 496
9	जीरॉक्स कापी उपस्कर Zerox Copying Equipment	185 598	—	55 057	130 541	182 330	575	54 087	128 818	1 723	3 268
10	प्रयोगशाला उपस्कर Laboratory Equipmentt	9 837 9251	7 168 340	—	103 547 591	71 159 709	715 7499	—	78 317 208	25 230 383	25 219 542
11	फर्नीचर और उपस्कर Furniture and Equipment	21 939 887	2 196 526	282 439	23 753 974	14 341 649	1 590 289	238 639	15 693 299	8 060 675	7 498 238

(क्रमश... Contd...)

क्रम सं Sl. No.	विवरण Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at cost				मूल्य ह्रास Depriciation				नेट ब्लॉक Net Block	
		31 मार्च 93 को स्थिति As at 31 March 93	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/ written off	31 मार्च 94 को स्थिति As at 31 March 94	31 मार्च 93 तक Up to 31 March 93	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/ Written off	31 मार्च 94 तक Upto 31 March 94	31 मार्च 94 को स्थिति As at 31 March 94	31 मार्च 93 की स्थिति As at 31 March 93
12.	वाहन Vehicles	1 572 950	325 953	—	1 898 903	1 105 209	158 738	—	1 263 947	634 956	467 741
13.	रिप्रोग्राफी उपस्कर Reprographic Equipment	1 128 929	—	—	1 128 929	943 377	46 176	—	989 553	139 376	185 552
14.	पुस्कालय में पुस्तकें Library Books	6 121 332	811 515	—	6 932 847	—	—	—	—	6 932 847	6 121 332
15.	मुख्यालय मानक भवन में सभागार का विस्तार Ext. of HQ Building – Auditorium in Manak Bhavan	1 442 902	—	—	1 442 902	534 899	102 056	—	636 955	805 947	908 003
16.	मुख्य भवन में अग्नि शमन परियोजना का विस्तार (डब्लयु आई पी पूँजी) Ext. of HQ Building – Fire Fighting Project (Capital WIP)	2 331 588	4 1 0 327	—	2 741 915	—	—	—	—	2 741 915	2 331 588
17.	लखनऊ में प्रयोगशाला एंव कार्यालय भवन (डब्लयु आई पी पूँजी) Lab cum Office Building — Lucknow (Capital WIP)	119 472	—	—	119 472	—	—	—	—	119 472	119 472
18.	विश्व बैंक परियोजना उपस्करण World Bank Project Equipment	3 951 934	460 509	—	4 412 443	1 510 662	683 831	—	2 194 493	2 217 950	2 441 272
	योग TOTAL	188 322 151	28 411 086	372 078	216 361 159	104 138 509	11 831 289	292 726	115 677 072	100 684 087	84 183 642

अनुसूची आर – निवेश (लागत पर) SCHEDULE R – INVESTMENTS (AT COST)

क्रम संख्या Sl. No.	विवरण Particulars	31 मार्च 93 को स्थिति As on 31 March 93	जमा Additions	घटौतियाँ (बिक्री/परिपक्वता) Deductions (Sale/ Maturity)	31 मार्च 94 को स्थिति As on 31 March 94
1.	बैंक में जमा Deposits with bank				
	क) ग्रेच्युटी निधि खाता a) Account Gratuity Fund	419 000	—	69 000	350 000
	ख) अन्य b) Other	42 399 434	83 197 187	—	125 596 621
2.	पेंशन निधि Pension fund	20 607 750	—	3 774 898	16 832 852
3.	सा.भ. निधि G.P. Fund	126 437 753	19 847 039	—	146 284 792
4.	अंश भ. निधि C.P. Fund	4 010 095	25 240	—	4 035 335
5.	विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि निवेश खाता World Bank Loan Redmp. Fund Investment Account	16 550 000	6 655 000	—	23 205 000
	योग Total	**210 424 032**	**109 724 466**	**3 843 898**	**316 304 600**

अनुसूची एस–चालू परिसंम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम SCHEDULE S – CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

क्रम संख्या SL NO.	विवरण Particulars	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1992-93
1.	स्टॉक (लागत पर) Stock (at cost)		
	क) छपाई का कागज a) Printing Paper	1 392 792	1 399 671
	ख) प्रयोगशाला में उपकरण और स्टोर b) Laboratory apparatus and stores	1 500 876	1 439 727
	ग) स्टेशनरी तथा कंप्यूटर पर उपभोज्य व्यय c) Stationery & Computer Consumables	805 791	815 972
	घ) मरम्मत और रखरखाव उपभोज्य पर व्यय d) Repair & Maintenance Consumables	119 649	111 767
2.	फुटकर लेनदारियां Sundry Debtors		
	क) प्रकाशनों की बिक्री a) Sale of Publications	1 635 195	1 197 516
	ख) प्रमाणन b) Certification		
	i) लाइसेंस शुल्क Licence fee	49 651	10 230
	ii) निरीक्षण प्रभार Inspection charges	848 536	252 704
	iii) मुहराँकन शुल्क Marking fee	5 876 264	6 710 852
3.	ऋण, अग्रिम और जमा Loans, Advances and Deposits		
	क) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण a) Loans to employees for:		
	i) वाहन की खरीद के लिए Purchase of conveyance	5 621 322	3 629 238
	ii) आवास निर्माण के लिए House construction	1 333 803	2 189 518
	ख) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण b) Advances to employees for:		
	i) त्यौहार Festival	391 245	371 105
	ii) प्राकृतिक आपदाएं Natural calamities	1 600	58 300
	iii) यात्रा व्यय Travelling Expenses	2 195 263	1 461 190
	iv) छुट्टी यात्रा Leave Travel	601 963	402 912
	v) स्टोर की खरीद Store Purchase	1 876 809	496 884
	vi) समायोज्य अग्रिम Adjustable advances	1 336 513	727 379
	vii) वूसली योग्य लेखें (अन्य) Accounts recoverable (others)	1 092 942	1 140 346
	viii) पंखा अग्रिम Fan advance	2 280	1 520
	ग) निम्नलिखित को अग्रिम : c) Advances to:		
	i) प्राइवेट पार्टिया (परियोजना) Private parties(Projects)	16 188 532	14 464 127
	घ) सरकारी पार्टिया : कोलम्बो योजना/आईपीएसएस से वसूली योग्य d) Recoverables from Govt. parties: Colombo Plan / IPSS	186 932	460 227
4.	प्रतिभूति जमा Security Deposits	1 111 536	1 037 428
5.	पूर्वप्रदत्त व्यय Prepaid Expenses	585 046	518 186
6.	स्रोत पर काटा गया कर Tax Deducted at Sources	538 601	546 168
7.	कैश तथा बैंक शेष Cash and Bank Balances		
	क) बैंक में a) With banks	51 900 320	47 781 193
	ख) हाथ में (इम्प्रेस्ट सहित) b) In hand (including imprest)	278 978	232 349
	ग) फ्रेंकिग मशीन c) Franking machine	41 992	55 542
	घ) परिवहन में चैक d) Cheques in transit	1 460 000	1 574 215
	योग TOTAL	**98 974 431**	**89 086 266**

अनुसूची टी – चालू देयताएँ SCHEDULE T—CURRENT LIABILITIES

क्रम संख्या SL NO.	विवरण Particulars	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1993-94	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1992-93
1.	फुटकर देनदारियाँ Sundry creditors		
	क) देश में a) Inland	2 234 358	3 693 293
	ख) विदेश में b) Abroad	5 550 773	7421 140
	ग) बयाना राशि c) Earnest Money	3 146 992	2 640 559
	घ) ग्राहक बकाया (बिक्री) d) Customer balances (sales)	1 464 358	1 169 840
	ड़) ग्राहक बकाया (प्रमाणन) e) Customer balances (certification)	3 408 251	2 672 725
2.	भुगतान योग्य लेखे (कर्मचारियों के) (Accounts Payable (employees)	404 709	260 535
3.	अप्रदत वेतन और मजदूरी Unpaid Salaries and Wages	30 191	49 519
4.	बिहार सरकार (प्रयोगशाला में उपस्कर खाता) Govt. of Bihar (a/c Lab. Equipment)	395 526	365 526
5.	गुजरात सरकार (अ.शा.का. भवन खाता) Govt. of Gujarat (ABO Building a/c)	3 103 886	4 244 387
6.	आईटीईसी और एससीएपीपी ITEC & SCAPP — Ministry of External Affairs विदेश मंत्रालय	31 984	—
	योग TOTAL	**19 771 028**	**22 547 524**

लेखा परीक्षा प्रमाण–पत्र

मैंने भारतीय मानक ब्यूरो के 31 मार्च 1994 को समाप्त हुए वर्ष के आय और व्यय लेखा तथा दिनाँक 31 मार्च 1994 के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं और संलग्न लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों के अध्यधीन अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप, मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों और संगठन की बहियों में दिए गए उल्लेख के अनुसार ये लेखे और तुलनपत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं और भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यकलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हस्ता.
(बी.सी. महे)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 16.12.1994

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 1994 and the Balance Sheet as on 31st March 1994 of the Bureau of Indian Standards. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit that in my opinion these acounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Bureau of Indian Standards according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organization.

Sd/-
(B.C. Mahey)
Principal Director of Audit

Place : New Delhi
Dated : 16.12.1994

भारतीय मानक ब्यूरो की वर्ष 1993-94 के आय-व्यय की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. परिचय

भारतीय मानक ब्यूरो की स्थापना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय के रूप में दिनांक 1 अप्रैल 1987 को हुई। इसने उत्पाद प्रमाणन, गुणता आश्वासन, परामर्श देना, परीक्षण आदि सम्बन्धी तत्कालीन भारतीय मानक संस्था के सभी कार्य सम्भाले।

ब्यूरो के क्रियाकलापों का वित्त पोषण प्रमाणन मुहर शुल्क की प्राप्ति और प्रकाशनों की बिक्री एवं केन्द्र सरकार के अनुदान से होता है।

ब्यूरो के लेखे–जोखों की लेखा–परीक्षा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अनुच्छेद 22(2) और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 के अनुच्छेद 19(2) के अंतर्गत की गई।

2. लेन-देन का सार

भारतीय मानक ब्यूरो का वर्ष 1992–93 और वर्ष 1993–94 का आय–व्यय का सार निम्न प्रकार है:–

AUDIT REPORT OF THE ACCOUNTS OF BUREAU OF INDIAN STANDARDS FOR THE YEAR 1993-94

1. INTRODUCTION

The Bureau of Indian Standards was established as a statutory body with effect from 1 April 1987 with the enactment of Bureau of Indian Standards Act, 1986. It took over all the activities viz, product certification, quality assurance, consultancy services, testing etc, of the erstwhile Indian Standards Institution.

The activities of the Bureau are financed from receipt of fees for Certification Mark and sale of Publications and grant from the Central Government.

The Audit of the accounts of the Bureau was conducted under Section 22(2) of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service), Act, 1971.

2. SUMMARY OF TRANSACTIONS

A summary of Income and Expenditure of the Bureau for the year 1992-93 and 1993-94 is given below :

(लाख रूपयों में Rupees in lakhs)

	आय INCOME	1992-93	1993-94
1.	प्रमाणन शुल्क Certification Fee	2 187.87	2 970.50
2.	मानकों की बिक्री Sale of Standards	165.92	244.32
3.	अन्य आय Other Income	68.20	118.77
		2 421.99	**3 333.59**
	व्यय EXPENDITURE		
1.	वेतन और भत्ते Pay & Allowances	1 210.99	1 321.44
2.	सेवानिवृत्ति लाभ Retirement Benefits	7.37	98.87
3.	अन्य स्टाफ लाभ Other Staff Benefits	57.45	87.56
4.	यात्रा खर्च Travelling Expenses	69.29	96.00
5.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अंशदान Subscription to International Organisation	108.89	101.36
6.	उत्पादन Production	61.34	60.34
7.	परीक्षण Testing	155.31	159.82
8.	प्रचार Publicity	20.54	13.69
9.	कार्यालय खर्च Office expenses	192.81	222.13
10.	मरम्मत एवं रखरखाव Repairs & Maintenance	55.57	61.63
11.	अन्य खर्च Other expenses	53.63	58.47
12.	मूल्य–ह्रास Depreciation	119.37	118.31
13.	विश्व बैंक परियोजना राजस्व खर्च World Bank Project Revenue Expenses	50.65	21.52
	योग Total	**2 163.21**	**2 421.14**
	नफा/घाटा Surplus/Deficit	**(+)258.78**	**(+)912.45**
	विनियोग APPROPRIATIONS		
	अन्तरित Transfer to :		
ए A	विश्व बैंक ऋण रिडंपशन निधि World Bank Loan Redemption Fund	50.00	50.00
बी B	पूंजी निधि Capital Fund	208.78	862.45
	योग Total	**258.78**	**912.45**

3. लेखा पर टिप्पणी

3.1 आय और व्यय लेखा

केन्द्रीय प्रयोगशाला में हाउस कीपिंग के लिए दिए गए ठेके वाले फर्म से माह सितंबर 93 में कॉशन–मनी के रूप में रू० 13 000 काटे गए हैं, जिसे देयताओं के अंतर्गत दिखाने के बजाय व्यय में से कम किया गया है। इससे वास्तविक व्यय को कम करके दिखाया गया।

3.2 बैलेन्स शीट

3.2.1 स्टोर सामग्री की खरीद के लिए बकाया अग्रिम–रू 194.01 लाख

विभिन्न सरकारी और प्राइवेट पार्टियों को स्टोर का सामान खरीदने के लिए रू 194.01 लाख अग्रिम रूप में दिये गए। यह राशि वसूली/समायोजन के लिए बाकी है। इसका विवरण/ ब्यौरा निम्नानुसार है :

3. COMMENTS ON ACCOUNTS

3.1 Income and Expenditure Account

A sum of Rs 13 000 deducted in the month of September 93 as caution money from a firm to whom the house keeping contract was awarded for Central laboratory has been reduced from expenditure instead of showing under liability resulting in under statement of actual expenditure.

3.2 Balance Sheet

3.2.1 Outstanding advances for Store Purchase — Rs 194.01 lakhs

Rs 194.01 lakhs representing advances for the purchase of stores were pending for recovery/adjustment from various officials and private parties as per break up given below :

(लाख रूपयों में Rupees in lakhs)

बकाया अग्रिम Advances outstanding against

वर्ष Year	सरकारी Official		प्राईवेट पार्टी Private Parties		कुल Total	
	वस्तु संख्या No. of Items	राशि Amount	वस्तु संख्या No. of Items	राशि Amount	वस्तु संख्या No. of Items	राशि Amount
तक Upto 1990-91	10	0.11	34	40.82	44	40.93
1991-92	22	0.31	27	8.15	49	8.46
1992-93	60	7.75	22	10.16	82	17.91
1993-94	181	23.96	66	102.75	247	126.71
योग Total	**273**	**32.13**	**149**	**161.88**	**422**	**194.01**

कुल बकाया राशि रू 194.01 लाख में से रू 104.31 लाख प्रयोगशाला उपस्करों के संबंध में तथा रू 57.57 लाख बिल्डिंग और अन्य परियोजना के बारे में ठेकेदारों पर बकाया है। रू 32.13 लाख की शेष राशि ब्यूरो के कर्मचारियों से बकाया है।

Out of the total outstanding of Rs 194.01 lakhs, Rs 104.31 lakhs pertained to laboratory equipment, Rs 57.57 lakhs outstanding against contractors for building and other projects and the balance of Rs 32.13 lakhs was outstanding against the employee of the Bureau.

3.2.2 अचल परिसम्पत्ति के मूल्य में अंतर

ब्यूरो द्वारा 1993–94 के दौरान अर्जित निम्नलिखित अचल परिसम्पत्ति का मूल्य नियंत्रण स्टॉक रजिस्टर में दर्शाये गये मूल्य से भिन्न है जैसा कि नीचे दर्शाया गया है।

3.2.2 Difference in the Value of Fixed Assets

The value of the following fixed assets acquired by the Bureau during 1993-94 varies from that shown in the Control Stock Registers as indicated against each :

(लाख रूपयों में Rupees in lakhs)

परिसम्पत्ति का प्रकार Type of Assets	अचल परिसम्पत्ति अनुसूची के अनुसार आँकड़े Figures as per Fixed Assets Schedule	नियंत्रण स्टॉक रजिस्टर के अनुसार आँकड़े Figures as per Control Stock Register	अंतर Difference
प्रयोग शाला उपस्कर Laboratory Equipment	71.68	22.56	(+) 49.12
पुस्तकालय पुस्तकें Library Books	8.11	5.63	(+) 2.48
फर्नीचर और उपस्कर Furniture & Equipment	21.97	53.12	(-) 31.15

3.2.3 अचल परिसम्पत्ति के अधिक आँकडे

वर्ष 1993–94 के दौरान कौशाम्बी में आवासीय फ्लैट खरीदने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को रू 170.38 लाख का भुगतान किया गया था, जबकि ब्यूरो ने 31 मार्च 1994 तक फ्लैटों का वस्तुतः कब्जा नहीं लिया था। अचल परिसम्पत्ति इस मात्रा में अधिक बताई गई।

3.2.4 वास्तविक देयताओं से अधिक का प्रावधान

भारत सरकार ने अक्तूबर 1990 में भारतीय मानक ब्यूरो के लिए रू 954.00 लाख का विश्व बैंक ऋण स्वीकृत किया था, जिसे 31 मार्च 1994 तक उपयोग में लाना था। 31 मार्च 1994 तक भारतीय मानक ब्यूरो ने केवल रू 140.00 लाख की निकासी की थी। रू 140.00 लाख की देयता के बदले ब्यूरो ने 31 मार्च 1994 तक रू 235.25 लाख का प्रावधान बनाया था जिसके परिणाम स्वरूप विश्व बैंक ऋण रिडंपशन निधि में 95.25 लाख रूपये का अतिरिक्त प्रावधान हुआ।

ब्यूरो को 31 मार्च 1994 को भा.मा. ब्यूरो क्लब कैन्टीन को रू 65 476 का भुगतान करना था। लेकिन यह बकाया देयता ब्यूरो के वर्ष 1993–94 के लेखों में शामिल नहीं की गई।

3.2.6 फुटकर लेनदारी

i) रू 84.10 लाख रू की राशि (बढ़ती हुई राशि) प्रकाशनों की उधार बिक्री एवं प्रमाणन शुल्क की अप्राप्ति के कारण फुटकर लेनदारी के रूप में दिखाई गई है। प्रत्येक ऋणी के विरूद्ध शेष बकाया राशि की पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए बैलेन्स शीट में दिखाई राशि असमाशोधित है।

ii) रू. 1.21 लाख की राशि बंबई के एक लाइसेंसधारी से वर्ष 1990–91 से मुहरांकन शुल्क के रूप में वसूली जानी है। लेकिन यह राशि "फुटकर लेनदारी" शीर्ष के अन्तर्गत सम्मिलित नहीं की गयी।

3.2.7 वसूली योग्य राशि

रू. 4.38 लाख की राशि लेखा परीक्षा में वर्ष 1989–90 और उसके बाद समय–समय पर विभिन्न पार्टियों/व्यक्तियों से वसूली के योग्य राशि के रूप में दर्शायी गयी थी। लेकिन ब्यूरो ने इसे अपने लेखा पुस्तकों मे वसूली योग्य राशि के रूप में नहीं दिखाया।

3.3 मानकों के स्टॉक का उल्लेख/रख-रखाव न होना

ब्यूरो द्वारा प्रकाशित मानकों को 15 वर्गों में बाँटा गया है। इन प्रकाशनों की कीमत रू 10 से रू 100 प्रति मानक तक के बीच है। वर्ष 1993–94 के दौरान मानकों के मुद्रण पर रू. 41.93 लाख व्यय हुआ और उन की बिक्री से रू. 234.34 लाख की आमदनी हुई। ब्यूरो ने वर्ग 10 से 15 तक के मानकों के स्टॉक का लेखा रखा है। लेकिन वर्ग 1 से 9 तक के मानकों, जिनकी कीमत रू 10 से 60 प्रति मानक के बीच है, का स्टॉक लेखा नहीं रखा।

उत्तर में भा. मा. ब्यूरो ने बताया (नवम्बर, 1994) कि ऐसे मानकों की संख्या बहुत अधिक (वर्तमान में 15 000 से अधिक लागू मानक) है और इनका विस्तृत स्टॉक–लेखा रखना बहुत विशाल कार्य है। इसके लिए काफी स्टाफ की आवश्यकता होगी, जिससे इस पद्धति से मिलने वाले लाभों की तुलना में प्रशासनिक व्यय की मात्रा अधिक होगी।

भा. मा. ब्यूरो ने 31 मार्च, 1994 को मानकों के स्टॉक का मूल्यांकन नहीं किया तथा उसे अपने वार्षिक लेखे में शमिल नहीं किया। इस प्रकार वार्षिक लेखे में स्टॉक–स्थिति कम दर्शाई गई है।

हस्ता.

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 16.12.1994

(बी.सी. महे)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

3.2.3 Overstatement of fixed assets

A sum of Rs 170.38 lakhs was paid during 1993-94 to the Ghaziabad Development authority towards purchase of residential flats at Kaushambi. This amount had been capitalised although the possession of the flats was not actually taken by the Bureau upto 31st March, 1994. The fixed assets had thus been overstated to this extent.

3.2.4 Provision in excess of actual liability

World Bank Loan of Rs 954.00 lakhs was sanctioned to BIS by the Govt of India in Oct 1990 which was to be utilised by 31st March, 1994. A sum of Rs 140.00 lakhs only was, however, drawn by the Bureau upto 31st March 1994. Against the liability of Rs 140.00 lakhs. The Bureau had made a provision of Rs 235.25 lakhs as on 31st March 1994 resulting in excess provision of Rs 95.25 lakhs in the World Bank Loan Redemption Fund.

3.2.5 Under statement of liability

A sum of Rs 65 476 was payable by the Bureau of BIS Club Canteen as on 31st March 1994 but this outstanding liability was not depicted in the accounts of the Bureau for the year 1993-94.

3.2.6 Sundry debtors

i) Rs 84.10 lakhs (Progressive figure) pertaining to the period prior to 1989-90 onwards has been shown as sundry debtors due to credit sale of publications and non receipt of certification fee. The balance against each debtor has not been got confirmed. Hence amount shown in Balanace Sheet is unreconciled.

ii) A sum of Rs 1.21 lakhs is recoverable from a licencee at Bombay since 1990-91 on account of marking fee but the same was not incorporated in the accounts under the head "Sundry Debtors".

3.2.7 Amount recoverable

A sum of Rs 4.38 lakhs was pointed out by audit from time to time since 1989-90 onwards as amount recoverable from parties/individuals but the same was not shown by Bureau as amount recoverable in the books of Accounts.

3.3 Non-Depiction/Non-Maintenance of Stock of Standards

The publication of standards brought out by the Bureau have been classified into 15 groups. These publications are priced ranging from Rs 10 to Rs 100 per standard. The expenditure on printing of standards and receipt from the sale of standards during the year 1993-94 was Rs 41.93 lakhs and Rs 234.34 lakhs respectively. Though the stock accounts of standards under group 10 to 15 have been maintained by the Bureau but the stock acounts in respect of publications falling under group 1 to 9 priced between Rs 10 to Rs 60 per standard were not maintained.

In reply BIS stated (November, 1994) that there are a large number of standards involved (more than 15 000 standards in force as on date) and maintenance of detailed stock account is a very stupenduous task. This will need a large complement of staff resulting in considerable administrative expenditure, disproportionate to economic likely to accure from the system.

The valuation of the stock of standards as on 31st March, 1994 was not done by the BIS and shown in thier annual accounts. Thus the position of stock was understated in the annual accounts.

Sd/-

Place : New Delhi
Dated : 16.12.1994

(B.C. Mahey)
Principal Director of Audit

भारतीय मानक ब्यूरो
BUREAU OF INDIAN STANDARDS